

રાજસ્થાની પાલ્લણા રા ગીત

શ્રીમતી લીલા સોમાની

રાજસ્થાની ગ્રન્થાગાર, જોધપુર

प्रकाशक

राजस्थानी ग्रन्थागार

प्रकाशक व पुस्तक विक्रेता

सोजती गेट के बाहर

जोधपुर (राज.)

प्रथम संस्करण - 1988 ;

सर्वाधिकार—समिक्ता

प्रथम संस्करण—1991

मूल्य—पचास रुपये मात्र

मुद्रक

प्रिंटिंग हाउस

जालारी गेट के प्रदर

जोधपुर

आत्म-निवेदन

नारी का जीवन सर्वोत्तम माना जाता है। देना जाना देवी के नौ स्वरूपों का उसका उद्भव है। वह जहाँ बालिका के रूप में मन मोह लेती है, वही विवाह होत ही जीवनमणिनी के रूप में पुरुष का महत्वपूर्ण भग बन जाती है। वह उनकी अभिलाषा भी है परन्तु जब कुनदीपक दकर वश की वृद्धि करती है तो मातृत्व के रूप में वह अपने परिवार में अपनी महत्ता को और भी रक्षाकित कर लेती है। माना के रूप में वह श्रेष्ठतम हो जाती है, इसीलिए 'मातृ देवी भव' सत्रसे पहले कहा जाता है। जहाँ दक्षता भी उसे नमन करत है।

राजस्थान के ग्रामीण जीवन में मातृत्व का अपना ही अनूठा स्थान है। लासगीन तो मुखर हैं, कोई भी गुन काय घर में हुआ और गीत प्रारम्भ। आज के परिवेश की तरफ वह तो किसी का मुँह नहीं ताकता, वहाँ तो सरल निश्छल प्रकृति है, सोचे मादे लाग। जहाँ सड़की न पत्नी के रूप में अपना स्थान बना लिया है, वही मातृत्व में वशवृद्धि का अपना गव है। अब वह अपने परिवार को कुनदीपक जो दन वाली है। इसीलिए अपने परिवार से, अधिकार से अपनी माँगें रखती है। 'जापा या 'मोर' के गीत में यही झलकता है। गमधारण का बोध होते ही स्त्रियों की इच्छाओं, खाने-पीने की रचि-अरचि भी शुरू हो जाती है। नौ महीने किननी रठिनाई में निरुलते हैं, किन्तु 'पुन-प्राप्ति की इच्छा उसे महत्त्व बनाये रखती है। लासगीनी के माध्यम से इसी सहजता का वर्णन किया है।

अब वह परिवार में सभी से, छाट से छोट और बड़े से बड़े के साथ एक विशेष निबटता का अनुभव करती है। अपने श्वसुर, सास, जठ जिठानी, देवर दिवराणी, नणद, पडोसन, माँ, माई भाभी ता अपने हैं ही यहाँ तक कि जोशी, कुम्हार, बाभी, डोली सभी उसे अपने महायक प्रतीत होते हैं, उन सभी का अपना महत्त्व है। 'दाई बिना ता काम चल ही नहीं सकता क्योंकि उसी की सहायता से उनकी मनाकामना पूरी होगी। और, जीवन का सवस्व जिसे द दिया, उस पर तो उसका सबसे बड़ा अधिकार है, मातृत्व के गव से

भरी मानिती उसे अपनी अनुठी माँगें मनवान हतु प्रात्साहित करती है । स्वप्नलोक मे विचरती वह पति से माग करती है कि प्रकृति के पीले रग भ रगा हुआ पीला' काँच स जडा हुआ आगन, रत्ना की दहरी, महगे मोल के आभूषण जिह पहन आन कर गव म भरी जब वह 'जळवा' पूजन राह स निकले तो रानिया भी उसस ईर्ष्या का अनुभव करे और उसे अपनी सहेली बना कर कृताय हो । लाग दरों और कह—देखिए वह जा रही है, फलाँ सेठ की बहू, उसके पुत्र की पुत्रवधू और नट हालरिया की मा । उसक नट-मु ने के लिए सरोवर पर, आगन म, महला म पालना डालें जिसस मुझा को रिझाने हतु सारस, मार, कोयल और परिवार के सदस्य और पति झूला देकर तिहाल हो और वह गव से भरी फूली न समाए, बया न हो । यही तो उसकी गहस्थी का अमल-फल ह ।

लोकगीत मन की अनुभूतिया की कल्पना ही तो है क्योंकि सच्चाई का धरातल तो बहुत कठोर है । राजस्थान की मरभूमि और कठार जीवन म अपन आपको डालते हुए जहा विरह का भी अपना अनोखा स्थान है—एक सुखद स्वप्निल कल्पना ही तो उसके जीवन की रसमय बनाती है । ये परम्पराएँ भी अभी तक चली आ रही ह । आज विज्ञान न इतन साधन दे दिए कि अगर सुविधा हो तो सत्सार के किसी भी कोने म भ्रमण किया जा सकता ह । यही तक कि जिस चंद्र की कवि उपमाएँ दस हुए नही शकत थ, उसके धरातल पर भी जा पहुँचे । किंतु मन की कल्पनाएँ अभी भी वही हैं, जा पहले थी । इसीलिए हमारी वही परम्पराएँ अभी तक चली आ रही हैं । हा, इतना अवश्य हुआ है कि चाहे विवाह का अवसर हो या पुत्र जन्म की खुशी, महीन महीन भर गीत गात थे वे सिमट कर तीन-चार दिन म रह गए । लेकिन मातृत्व के बोध और आनंद म अभी भी कही कभी नही आई ।

ये गीत जो आपके समक्ष प्रस्तुत कर रही ह उही परम्पराओं से चले आ रहे गीत हैं । किसन बनाए इसके रचयिता का मालूम नही पर ये घर घर म गाये जाने वाले गीत हैं । इतना ही अंतर आया है कि पहले घर की स्त्रिया और पास पड़ोसिनें भी जहा बच्चे के जन्म का मालूम होते ही तुरन्त गाने बैठ जाती, वहा आज उस प्रकार से गान म सकोच होता है । आज रेडियो, टी वी , सिनेमा आदि के माध्यम से गान सुन कर महिलाएँ भी चाहती हैं कि उनके गीत भी 'ताल' म और 'सुरबद्ध' ह । चाह वह पारम्परिक लोकगीत ही क्यों न ह । उह अर्ध तरीके से गाय जाए ।

हम वही भी, किसी भी महर म चने जाए राजस्थान के लोकगीतों की सृष्टि तो हमारे मन म रची बसी है । फिर भी जहा हर व्यक्ति इक्कीसवीं सदी की तरफ कदम रख रहा है, वहा हमारे गीत भी परिमार्जित होकर नया स्वरूप ले रहे हैं ।

यही सब माच कर परम्परा से चले आ रहे 'जाये' के लोकगीतों का मैंने 'स्वर लिपि' देने का प्रयत्न किया है। थुटिया भी कई हागी ही क्योंकि राजस्थान के हर पौन कास पर जहाँ थोड़ा थोड़ा भाषा का बदलाव आता है, वही गान के तरीका और बाला में भी थोड़ा परिवर्तन हो जाता है।

बुद्ध विवाह के स्व रचित गीत भी इसी पुस्तक में संकलित किये जा रहे हैं।

यह प्रयास जसा भी बन पड़ा है, पाठकों के सम्मुख एक विनम्र प्रस्तुति है।

सीता सोमानी

स्वरलिपि के साकेतिक चिह्न

- 1 शुद्ध स्वरो एव मध्य सप्तक के स्वरो के लिये कोई चिह्न नहीं है । जैसे सा, ग, प
- 2 तार सप्तक के स्वरो के उपर बिंदी है । जैसे सा, रे, ग
- 3 मन्द्र सप्तक के स्वरो के नीचे बिंदी है । जैसे नी ध प
- 4 कोमल स्वरो के नीचे हलन्त है । जैसे ग् घ् नी
- 5 तीव्र म के उपर खड़ी पाई । जैसे म
- 6 स्वरो के आगे 'S' इस चिह्न का अर्थ यह है कि इसके पूर्व जो स्वर आया है उसे उतने माना काल तक और गाना है । जम सा S S ग S म
- 7 अध चन्द्राकार चिह्न में दिए गए सब स्वर एक ही माना जाना है । जैसे धसा पधप धनीपध
- 8 '—' इस चिह्न का मतलब मीड में है, यानी एक स्वर में दूसरे स्वर तक मीड से गाना । जैसे प ग
- 9 'X' यह सम की निशानी है, यानी ताल की पहली माना । प्रत्येक गीत के एक ही अंतरे की स्वरलिपि दी गई है । शेष अंतरे उसी प्रकार गाए जायेंगे । जिन गीतों के दूसरे अंतरे विभिन्न प्रकार से गाए जायेंगे उनका स्वरलिपि दे दी है ।

अनुक्रमणिका

1	ताळा	1
2	दाई	5
3	पीपळी	9
4	भूमक वचाई	13
5	जच्चा	16
6	मूळी	18
7	आल	22
8	घजवाण	26
9	पोमचा	30
10	जामुन	34
11	मगजण जच्चा	37
12	जच्चा	40
13	पीळा	43
14	पीळा	47
15	पीळा	49
16	पीळा	52
17	पीळा	55
18	राखी	58
19	बगडी	60
20	मेहदो	63
21	चूडो	66
22	चूडा	69
23	सूठ	73
24	केसर	76
25	धूधरी	80
26	भूरी भैत	85

27	नासर हार	89
28	बयना	91
29	पाळणो	93
30	पाळणा	97
31	पाळणा	100
32	पाळणा	103
33	चंदो	106
34	भुनभुना	110
35	ललना	113
36	काठला	117
37	मादळ	119
38	बघाई	122
39	नणद बाई	126
40	जच्चा का सीठना	128
41	नणद बाई	130
42	काठो	133
43	साध का गीत	135
44	साध का गीत	138

ताळो

ताळो जी कुण खुडकाइयो, ढळती मी माभळ रात,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

ताळो जी धण खुडकाइयो, धर रामचन्द्रजी री नार,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

जागो जी भवर निंदाळूडा, पिलग परो सरकाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

पिलग परे सरकायदघो, दाई माई नै वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

दाई ए माई म्हारा थे बडा, नाजुक जीव छुडाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

आई छै पोड उतावली, जायो छै लाडण पूत,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

जायो है कवर सुलाखणी, सामूजी नै वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

सामूजी म्हारा थे बडा, सोवन थाळ बजाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

जायो है धन विलसावणी, बाईजी नै वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

बाईजी म्हारा थे बडा, साळा रे साधिया दिराय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

जायो छै कुळ को माडणी, भाभीजी वेग बुलाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

भाभीजी म्हारा थे बडा, जगमग दिवलो जुपाय,
मारुणी होलर राजा जनमियो ।

जायो छै वस बधावणो, दधोराणी वेग बुलाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 दजोराणी म्हारी थे बडा, रथडो सो पिलग त्रिछाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 जायो ठ कवर मुलाखणो, सुसराजी वेग बुलाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 सुसराजी म्हारा थे बडा, बडला पू चौ पहराय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 जायो छै कुळ को माडणो, मारुजी वेग बुलाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 मारुजी म्हारा थे बडा, मोहरा स्पू मूठ भराय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 जायो छ वस बधावणो, जोसीजी वेग बुलाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 जोमीजी म्हारा थे बडा, गौगा को हावण पुजाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 जायो छै कवर मुलाखणो, नाईका नै वेग बुलाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 नाई का वेटा म्हारा थे बडा, हरी हरी बादरवाळ बधाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 जायो छै कुळ को माडणो, ढोली जी वेग बुलाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 ढोली का वेटा म्हारं थे बडा, गहरो सो ढोल बजाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 जायो छै वस बधावणो, कुम्हट को वेग बुलाय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।
 कुम्हट का वेटा म्हारं थे बडा, कुम्भ बळस ले आय,
 मारुणी होलर राजा जनमियो ।

जायो छै कुठ को माहणी, दरजी न वेग बुलाय,
माहणी होलर राजा जनमियो ।

दरजी का घेटा म्हारा ये बडा, हरियो मूवटहो ले घाय,
माहणी होलर राजा जनमियो ।

जायो ॥ कबर मुलाखणी, बामी नै वेग बुलाय,
माहणी होलर राजा जनमियो ।

बामी का घेटा म्हारा ये बडा, अमर करणगती ले घाय,
माहणी होलर राजा जनमियो ।

जायो छै कबर मुलाखणी, छाती को त्रेग बुलाय,
माहणी होलर राजा जनमियो ।

छाती का त्रेटा म्हारा ये बडा, गीगा को पालणी घड लाय,
माहणी होलर राजा जनमियो ।

ताळोजो फुण धडकायो
लय सात मात्राओ की मध्यलय

नी सा नी् ता — — ×	सा ऽ रे म लो—जी—	म प ऽ कु ण —	म रे प म छु — ड —
रेम रेसा नीसा का — — ×	सा ऽ सा ऽ ई — — —	सा सा ऽ यो — —	सा ऽ सा ऽ — — —
नी सा नी् ढ ळ — ×	सा ऽ रे म ती—सी—	म प ऽ मां — —	म रे प म भ — ळ —
रे रे — रा — — ×	रे ऽ ऽ रे — — — त	नी सा नी् मा रु —	सा ऽ रे म णी—हो—
म प ऽ ल र — ×	म रे प म रा—जा—	रे नी ऽ ज न —	सा ऽ सा ऽ मि — — —
सा सा ऽ यो — — ×	सा ऽ सा ऽ — — —	ऽ ऽ ऽ — — —	ऽ ऽ ऽ ऽ — — —

जी म्हारा स्यार रमता स्याम, पासा दूर वरोजी राज
 जी म्हारी भाद सरीसी नार, जी थारी क्या रे दूसे छ जी राज
 ओ राजा हस हस बाघी छे पाग, भुटवत चानिया जी राज
 ओ राजा हो घुइल भगवान, दाई माई नै ल्यावण चाल्या जी राज
 ओ राजा पूछ दहिया का लोग, दाई माई का घर कित्या जी राज
 ओ राजा सूरज सामी जी पोळ, भागण बिच एलधी जी राज
 ओ राजा धेठी दाई घर के माय, बोलै गरब भरी जी राज
 ओ राजा काई थारी कसटी जी माय, काई थारी भावजी जी राज
 ओ दाई नही म्हारी कमटी जी माय, नही म्हारी भावजी जी राज
 ओ दाई भाद सरीसी नार, चालो उतावळा जी राज
 ओ राजा जे थार जनमली धीय, हमस्यू कील करोजी राज
 ओ दाई जे म्हारे जनमली धीय, ओढावू बाला चूनडी जी राज
 ओ राजा जे थार जनमली पूत, हमस्यू कील करोजी राज
 ओ दाई जे म्हारे जनमली पूत, घडाऊ थाने बानळो जी राज
 ओ राजा धूप पडै अकराळ, दाई म्हारा पावल्या जी राज
 ओ दाई धे म्हारा मोचा जी पैर, उभागा म्हे चला जी राज
 ओ राजा भिरभिर बरसैलो मेह, भीजै म्हारी चूनडी जी राज
 ओ दाई धे म्हारो किरण्यो ओढ, उघाडा म्हे चला जी राज
 ओ राजा आई दाई दहारा के माय, सूरण भला हुया जी राज
 ओ राजा आई दाई गवाहा के माय, साड धड़कियो जी राज
 ओ राजा आई दाई फलसा रे माय, धीनड राजा जनमियो जी राज
 ओ राजा पूत दियो भगवान, दाई म्हारी क्या रे कियो जी राज
 ओ राजा दाई के पटल्या मे सू ठ, दाई थारी चोरटी जी राज
 ओ राजा है कोई देवर जेठ, दाई नै देवो रे घक्का जी राज

ए दाई भाग सकें तो भाग, फाटू थारो घाघरो जी राज
 ओ राजा बुलाओ हालरिया को बाप, हमसू कौल करघा जी राज
 ओ दाई जनम्यो छ म्हारै पूत, घटाऊ थारै बानल्लो जी राज
 ओ दाई सुभ घडी जायो है पूत, ओढाऊ थानै चूनडी जी राज
 ओ राजा नुगरी हालरिया को माय, सुगरो बाप छ जी राज
 ओ राजा मुड मुड देव आसीस, जच्चा थारी सात जणो जी राज

दाई

जी म्हारा स्यार रमता स्याम
लय छे मात्राओ की धीमी लय
स्थायी

५ ५ ५	सा सा सा	नी सा ५ सा	मरे म रेसा
— — —	जी म्हा रा	स्या र — र	म — ता —
×		×	

नी म प	नीसा रे ५	मरे पम मप	पम रे मरेसानी
स्या—म	पा — सा —	दू—र—क—	रो — जी —
×		×	

सा ५ सा	सा सा सा	नी सा ५ सा	मरे म रेसा
रा—ज	ये म्हा री	आ द — स	री — — सी —
×		×	

नी म प	नीसा रे रे	मरे पम मप	पम रे नी
ना—र	ये था रो	क्या रे—दू—	खै — जी
×		×	

सा ५ सा
रा—ज
×

अन्तरा

साप प प	मम प नी	घ प पम
ओ — रा जा	हस ह म	वा घो छै—
	x	

मप प प	रेप पम मरे	रे ऽ मरे	मरे नी ऽ
पा — ग	मुठ व — त —	चा — लि —	या — जी —
x		x	

मा ऽ मा	मा मा सा	नीमा सा सा	रेम रे सा
रा — ज	आ रा जा	हो — धु ड	ल — अ स
x		x	

नी म प	नीमा रर र	मरे पम प	पम रे नी
या र र	ई — माई ने	त्या — य — ए	घा — त्या जी
x		x	

गा ऽ मा

रा — ज

x

પોપલી

વાઢા તો બિચલી પોપલી લલવા
લાલાજી ઓ જ્યા રા છઁ ંઢબઢ પાન
પ્યારી લાગે કુલ્લબહૂ લલવા

ઁક પાન જન્વા તોઢિયો લલવા
લલા જી ઓ ચુય ચુય પઢે છે મજીઠ
હિરણી પાલર ચરે લલવા

જ્યા તઢે ઢુકઢધો માઢિયો લલવા
લલા જી ઓ ંરધો ંે હબોઢા ંાય
પ્યારી લાગે કુલ્લબહૂ લલવા

જ્યા ંે જી ંીર ઢુબોઢ્યો લલવા
લાલા જી ઓ રાં્યો છે ંુરઢ મજીઠ
પ્યારી લાગે કુલ્લબહૂ લલવા

લૂગા રી વાઢ સુંાઢ્યો લલવા
લાલા જી ઓ ંીલ ંજાઠા જી ંાય
હિરણી પાલર ચરે લલવા

ઢો મ્હારી જન્વા રાણી ંોઢિયો લલવા
લલા જી ઓ જાયો છે લાઢણ પૂત
પ્યારી લાગે કુલ્લબહૂ લલવા

પહર ંોઢ જન્વા નીસરી લલવા
લલા જી ઓ શહર બમ્બેઈ રે માય - -
પ્યારી લાગે કુલ્લબહૂ લલવા , -

हटवाडचा हाटचा रह्या ललवा
लला जी मूरख पडचो है जजाळ
हिरणी पालर चरै ललवा

राजा की राणी यू कैवे ललवा
लला जी ओ जच्चा की वणस्या म्हे भण
प्यारी लाग कुळबहू ललवा

जच्चा की कूख सुलाखणी ललवा
लला जी ओ जायो छै लाडण पूत
प्यारी लागै कुळबहू ललाव

कावथ लेखो ले रह्यो ललवा
लला जी ओ आ रे कुप्या घर नार
हिरणी पालर चरै ललवा

सा दशरथ जी री जच्चा कुळबहू ललवा
लला जी ओ बडा रे साजनिया री धीय
प्यारी लागै कुळबहू ललवा

रामचंदर जी री चन्दरावळी ललवा
लला जी ओ ल्होडा हालरिया री माय
प्यारी लाग कुळबहू ललवा

खोल सुहागण कोयळो ललवा
लला जी ओ सोर साच्यो दस मास
प्यारी लाग कुळबहू ललवा

देवो यारी डोम सुहासणी ललवा
लला जी ओ सासू नणद नै पहेराय
प्यारी लागै कुळबहू ललवा

दधो रे कमीणा न कापडा ललवा
 लला जी ओ ढोली को ढोल पहराय
 प्यारी लाग कुळवहू ललवा

भलो ए धियाडी माता तू करघो ललवा
 लला जी ओ भलो ए करघो भगवान
 प्यारी लाग कुळवहू ललवा

भलो म्हारी जच्चा राणी थे करघो ललवा
 लला जी ओ जायो है लाडण पूत
 प्यारी लाग कुळवहू ललवा

पीपळी

वाडा तो विचली

लय छ भाशाओ की मध्यलय

प नी नी	नीसा रेमरेसा नीसा S	रेम मरे रे	साम र र ना
वा डा तो	विच ली — — —	पी—प—ळी	— — ल ल
x		x	

सा सा सा	सा सा सा	प नी नी	नीमारे मरेसा नीसा S
वा	— — —	वा डा तो	विच ली — — —
x		x	

रेम मरे रे	साम रे रे नी	सा सा नीसा	रेम प म
पी—प—ळी	— ल ल	वा — ल —	ला — जी ओ
x		x	

रे म मप	पम रे सा	नी S नी	नीसा र मरे सा
ज्या रा छै —	अड व ड	पा — न	प्यारी ला — गे
x		x	

रेम मरे रे	साम रे रे नी	सा सा सा	सा सा सा
कुळ व — हू	— — ल ल	वा	— — —
x		x	

ਭੁਮਕ ਬਧਾਇ

ਜੀ ਵੈ ਤੋ ਸਾਮਲੀ ਹੁਤਾਯਾ ਬੈਠਥਾ, ਜੀ ਵਾਇਸਾ ਰਾ ਵੀਰਾ
ਜੀ ਥਾਨੈ ਭੁਮਕ ਬਧਾਇ ਭੇਜੂ, ਜੀ ਵਾਇਸਾ ਰਾ ਵੀਰਾ
ਜੀ ਧਾਰੈ ਧੀਧ ਟੁੰਡ ਧਰ ਆਵੋ, ਜੀ ਵਾਇਸਾ ਰਾ ਵੀਰਾ
ਏ ਮ੍ਹਾਰੋ ਸਾਧੀਡਾ ਮੇ ਲਾਜਾ ਮਾਰਥਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੇ ਤੁਡਦੀ ਰੋ ਪਡਦੀ ਲਗਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰ ਟੂਟੀ ਸੀ ਮਚਲੀ ਵਿਛਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੈ ਫਾਟੀ ਸੀ ਗੁਡਡੀ ਵਿਛਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੈ ਗੁਡ ਕੀ ਪਾਤ ਰਧਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਥਾਨੈ ਰੈ ਕਾਰੇ ਬਤਲਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਥਾਨੈ ਨਿਤ ਤਠ ਪੀਧਰ ਭੇਜਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਥਾਨੈ ਕਦੈ ਨ ਲੇਧਾ ਆਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ

ਜੀ ਵੈ ਤੋ ਸਾਮਲੀ ਹੁਤਾਯਾ ਬੈਠਥਾ, ਜੀ ਵਾਇਸਾ ਰਾ ਵੀਰਾ
ਜੀ ਥਾਨੈ ਭੁਮਕ ਬਧਾਇ ਭੇਜੂ, ਜੀ ਵਾਇਸਾ ਰਾ ਵੀਰਾ
ਜੀ ਧਾਰੈ ਕਧਰ ਟੁਧੋ ਧਰ ਆਵੋ, ਜੀ ਵਾਇਸਾ ਰਾ ਵੀਰਾ
ਏ ਮ੍ਹਾਰੋ ਸਾਧੀਡਾ ਮੇ ਮਾਨ ਬਠਾਧੋ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਮ੍ਹੇ ਤੋ ਹਸ ਹਸ ਪੇਚ ਸਵਾਰਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੈ ਰੇਸ਼ਮ ਰਾ ਪਡਦਾ ਤਲਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੈ ਹਿੰਗਲੂ ਰੋ ਢੋਲ੍ਹੋ ਢਲਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੈ ਮਖਮਲ ਰਾ ਗਿਦਰਾ ਭਰਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੈ ਮਿਸਰੂ ਰਾ ਤਕਿਆ ਭਰਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੈ ਗੂਨ੍ਦ ਰਾ ਲਾਡੂ ਸਨ੍ਦਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੈ ਅਜਮੋ ਸੂਠ ਮੁਲਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਧਾਰੋ ਪੀਲੋ ਬੈਠ ਰਗਾਵਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ
ਏ ਥਾਨੈ ਕਦ ਏ ਨਾ ਪੀਹਰ ਭੇਜਾ, ਏ ਮ੍ਹਾਰੀ ਸਾਵਲੀ ਸਾਧਵਾਣੀ

ए थान नित उठ लेरा आवा, ए म्हारी सावळी मायवाणी
 ए थाने जोकारे बतळावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
 ए थारी मोहरा मूठ भरावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
 ए थारे नान्हा ने हुलरावा, ए म्हारी सावळी सायवाणी
 ए थारो दूणो मान बढावा, म्हारी सावळी सायवाणी
 ए थारे दोय पग सामा आवा, ए म्हारी सावळी सायवाणी

भूमक वधाई

चार मात्राओं की द्रुतलय में

गुम गुम गुप पम	म म म म	गुम गुम गुसा सासा	ऽ गु नी सा ऽ
जी -- वै -- तो --	सा म ली ह	ता --- या -- मे	वै -- ठधा --
×	×		×

गुम गुम म ग	गुम ऽ ऽ ऽ	गु ऽ म सा	सा ऽ सा ऽ
जी -- -- बा --	ई -- --	सा -- रा --	वी -- रा --
×	×		

गुम गुम गुप पम	म म म म	गुम गुम गुसा सासा	ऽ गु नी सा ऽ
जी -- या -- नै --	भ म क व	धा -- ई --	भे -- जू --
×	×		×

गुम गुम म ग	गुम ऽ ऽ ऽ	गु ऽ म सा	सा ऽ सा ऽ
जी -- -- बा --	ई	सा -- रा --	वी -- रा --
×	×	×	×

जच्चा

मैमद पहरौ राज, रघडी पहरौ राज
हा ए थारा कुण्डल की छवि न्यारी ए जच्चा
मधरा बोलौ राज
हा ए थारी भुमक्या रो लजो भारी ए जच्चा
मधरा बोलौ राज
मधरा बोलौ राज, घीमा चालौ राज
हा ए थारै मायै चढेगी मधवा जच्चा, मधरा बोलौ राज
हा ए थारा सासूजी करै थारो चाव जच्चा मधरा बोलौ राज

वेमर पहरौ राज, तिलडी पहरौ राज
हा ए थारै चुडलै रो छवि न्यारी ए जच्चा, मधरा बोलौ राज
हा ए थारा गजरा रो मुजरो भारी ए जच्चा, मधरा बोलौ राज ।
मधरा बोलौ राज, घीजा चालौ राज
हा ए थारै कमर पडैगी साल ए जच्चा, मधरा बोलौ राज ।
हा ए थारा मारुजी करै थारा चाव ए जच्चा, मधरा बोलौ राज ।

बाजूवद पहरौ राज, पायल पहरौ राज
हा ए थारै बिछिया रो भणकारो ए जच्चा, मधरा बोलौ राज ।
हा ए थारो पीछो बण्यो अणमोल ए जच्चा मधरा बोलौ राज ।
मधरा बोलौ राज, घीमा चालौ राज
हा ए थारा कहा कहा हुकम उठावै ए जच्चा, मधरा बोलौ राज
हा ए थारा हालर नै हुलरावै ए जच्चा मधरा बोलौ राज ।
मधरा बोलौ राज ।

मैमद पहरो राज

लय सात मात्राओ की मध्य लय

5	5	5	घ	नी	सा	गू	रे	रे	गरेसानी	सा	5	नी	सा
—	—	—	मै	—	म	द	पह	रो	—	रा	—	—	—
x													

घनी	घ	5	घ	नी	सा	गू	रे	रे	गरेसानी	सा	5	5	5
—	—	ज	र	ख	डी	—	पह	रो	—	रा	—	—	—
x													

5	5	सा	सा	सा	सा	प	प	प	नी	घ	प	प	घप
—	—	ज	हा	ए	या	रा	कु	ण्ड	ल	की	—	छ	बि—
x													

म	म	गू	सा	5	रेगू	रेम	गू	गू	रेसा	रे	5	सा	नी
न्या	री	ए	ज	—	ज्वा	—	म	घ	रा	—	बो	—	लो—
x													

सा	5	सा
रा	—	ज

मूळी

पहलो तो मास भवरजी थारी घण न लाग्यो
दूजो तो मास भवरजी थारी घण न लाग्यो
म्हारो आळ भोळ जिव जावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै
म्हारो थूकतडै जिव जावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै
जिव घवरावै भवरजी, नाज न भावै
मनै तीरवा पाना री मूळी भाव, गुणसायर ढोला जिव घवराव ।
घोळी घोळी मूळी भवरजी, हरी हरी पैडी
मनै हरिया पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै
थाकी बोली अब नाय सुहावै, मनभरिया ढोला जिव घवरावै ।

तीजो तो मास भवरजी प्यारी घण न लाग्यो
चोथो तो मास भवरजी प्यारी घण न लाग्यो
म्हारो राव दहिया जिव जावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै
म्हारो खीर खाड मन जावै, बादीला ढोला जिव घवरावै
जिव घवरावै भवरजी, नाज न भावै
मन, तीखा पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै ।

पाचवो तो मास भवरजी, गोरी घण न लाग्यो
छठो तो मास भवरजी, गोरी घण न लाग्यो
म्हारो लापसडया जिव जावै, हठीला ढोला जिव घवरावै
म्हारो नीवूड मन जावै, गुणसायर ढोला जिव घवरावै ।
जिव घवरावै भवरजी, नाज न भाव
मन तीखा पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घवराव ।

सातवो तो मास भवरजी, थारी घण न लाग्यो
आठवो तो मास भवरजी, थारी घण न लाग्यो

म्हारो लाडूडै जिव जावै, रमीला ढोला जिव घबरावै
 म्हारो घेवरिये मन जावै, गुणसायर ढोला जिव घबरावै
 जिव घबरावै भवरजी, नाज न भावै
 मन तीखा पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घबराव ।

नीवो तो मास भवरजी, प्यारी धण न लाग्यो
 पूरा तो मास भवरजी, प्यारी धण न लाग्यो
 म्हारो घाट पीळे मन जावै, गुणसायर ढोला जिव गबरावै
 म्हारो ओरडै मन जावै, गुणसायर ढोला जिव घबराव ।
 जिव घबरावै भवरजी, नाज न भाव
 मन तीखा पाना री मूळी भाव, गुणसायर ढोला जिव घबराव
 घोळी घोळी मूळी भवरजी, हरी हरी पडी
 मन हरिया पाना री मूळी भावै, गुणसायर ढोला जिव घबराव ।

मूळी

पहलो तो मास भवरजी

लय चार मात्राओं की द्रुत लय

५ सारे रे सानी नीसा सासा नीसा रेगु सारे रेगु रेरे सा रे नी सा ५

- पह लो तो - मा - सभ वर जी - - थारी धर्ण ने ला - ग्यो -

×

×

×

×

५ सारे रे सानी नीसा सासा नीसा रेगु सारे रेगु रेरे सा रे नी सा सासा

- दू - जो तो - मा - सभ वर जी - - थारी धर्ण ने ला - ग्या म्हरो

×

×

×

×

५ रेम म म रे म पध मप गू ५रे सा रेसा नी सासा रे गुरे

- घ्रा ल भो - ल जि - व - जा - वै - गुण सा यर ढो ला -

×

×

×

×

सा रेगु रे सा रे नी सा सासा ५ रेम म म रे म पध मप

- जिव ध व रा - वै म्हारो - थु - क न डे - जि - व -

×

×

×

×

गू ५रे सा रेसा नी सासा रे गुरे सा रेगु रे सा रे नी सा सासा

जा - व - गुण मा यर ढो ला - जिव ध व रा - व -

×

×

×

×

५ मप नी नी	नीसा सासा नीसा रेग	सारे रेग रे सा	रे नी सा सासा
- जिव घ ब	रा - वैम वर जी	- ना - ज न	भा -- वै म्हानै
×	×	×	×
५ रम म म	रे म पध मप	गू ५ रे सा रेसा	नी सासा रे गूरे
- ती - खा पा	ना री मू - ली -	भा - वै - गुण	सा यर ढो ला -
×	×	×	×
रेग रे सा	रे नी सा ५		
जिव घ ब	रा — वै —		
×	×		

आल

ऊठो मगेजण राणी थारी चाल पिछाणो
म्हास्यू केसरिया सायब उठचो न जाव
उठचो न जावै म्हानै आघा चूध्री आवै
म्हानै केसरिया सायब अन्न नही भावै ।
अन्न नही भाव म्हारो जिव घबरावै
म्हानै केसरिया सायब आल मगादचो
छोटो तो देवर गोरी थारो जैपुर जासी
एक टका री गोरी ताई आल ते आसी
छोटो तो देवर गोरी थारो आल जी ल्यायो
आल तो ल्यायर गोरी थारा सासूजी नै दीनो
सासूजी लुकावै गोरी थारी नणद छिपावै
वडी ए जिठाणी गोरी थानै छमक जिमावै

ऊठो मगेजण राणी थारी चाल पिछाणो
म्हा स्यू केसरिया सायब ऊठाचो न जावै
उठचो न जाव म्हानै आघा चूध्री आवै
म्हान लस्करिया सायब अन्न नही भावै
अन्न नही भावै म्हारो जिव घबरावै
म्हान अलबेला सायब घेवर मगादचो
छोटोडो वीरो गोरी थारो जयपुर जावै
एक रुपया रा गोरी थारें घेवर ल्यावै
माय मगावै गोरी थारी वहन सजावै
वडी ए भोजाई गोरी थानै न्यूत जिमावै

પૂત જો જણજો ગોરી, લાડા એ કોડા
 આલ મગાદયા ગોરી થાને ઓડા એ ઓડા
 ન્હાવણ પૂજો ગોરી ગાજા એ વાજા
 ઘેવર ડટાદયા થાને છાવા એ છાવા
 જઝવા પૂજો ગોરી ગાજા એ વાજા
 ઘેવર મગાદયા થાને છાવા એ છાવા ।

श्राल

उठो मगेजण राखी थारो
लय चार मात्राओ की द्रुत लय

५ मा रे सारे ग | ग सारे मारे ग रे रे | ५ र गम ग रेसा | सा ५ रेगरेसा ॥

- उ ठो म - - गे जण रा खी थारी - चा ल - - पि - छा - एो - - -

×

×

मा रे सारे ग | गग सारे सारे ग रे | रे मरे गम ग रेसा | सा ५ सा ५

५ म्हासू के - सरि या - सा - य | ब उ - ठयो - न - जा - वै - -

×

×

५ प प प | पघ प पग गगु गु | - रेरे रेम ग रेसा | सा ५ रेगरेसा घ

- उ ह्यो न जा - वै - म्हा - नै | ५ भाघा चू - - घी - भा - वै - - -

×

×

५ सा रे सारे ग | गग सारे सारे ग र | - रेरे गम ग रेसा | सा ५ सा ५

- म्हा नै वै - मरि या - सा - य | ब घन न - ही - भा - वै - -

×

×

थे तो म्हारा पना मारू बजारा नै चाल्या, बाजारा नै चाल्या
 अजमो म्हारै कूण मुलावै म्हारा राज
 थे तो म्हारी मिरगानैणी हालरियो ए जणज्यो, नान्हडियो ए जणज्यो
 अजमो म्हारा बाबाजी मुलावै म्हारा राज
 थारा ए बाबाजी को नही ए भरोसो, नही ए भरोसो
 पाचा को ल्यावै, पचीस को बतावै,
 अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पना मारू बाजारा नै चाल्या, बाजारा नै चाल्या
 धो गुड कूण मुलावै म्हारा राज
 थे तो म्हारी मिरगानैणी हालरियो ये जणज्यो, नान्हडियो ए जणज्यो
 अजमो म्हारा काकाजी मुलावै म्हारा राज
 थारा ए काकाजी को नही है भरोसो, नही है भरोसो
 वै पाच को ल्यावै, पचीस को बतावै
 अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पना मारू बाजारा नै चाल्या, बाजारा नै चाल्या
 गूद म्हारै कूण मुलावै म्हारा राज
 थे तो म्हारी मिरगानैणी हालरियो ए जणज्यो, नान्हडियो ए जणज्यो
 अजमो म्हारा बीराजी मुलावै म्हारा राज
 थारा रे बीराजी रो नही है भरोसो, नही है भरोसो
 वै पाच को ल्यावै, पचीस को बतावै
 अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पना मारू बजारा नै चाल्या, बजारा नै चाल्या
 अजमो म्हारो कूण कुटावै म्हारा राज

थे तो म्हारी मिरगानैणी हालरियो ए जणज्यो, नान्हडियो ए जणज्यो
 अजमा म्हारा बडियाजी कुटावै म्हारा राज
 थारा बडियाजी को नही है भरोसो, नही है भरोसो
 वै कूटता बिखेरे, पछोडता बिखेरे
 अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पनामारु बाजारा नै चाल्या, बाजारा न चाट्या
 लाडू म्हारा कूण सधासो म्हारा राज ।
 थे तो म्हारी चन्दावरणी हालरियो ये जणज्यो, हानडियो ये जणज्यो
 लाडू म्हारा माऊजी सधावै म्हारा राज ।
 थारा माऊजी को नही है भरोसो, नही है भरोसो
 वै कूच्या कै लगावै, कढाई कै चिपावे
 अजमो म्हारै नही गुण आवै राज ।

थे तो म्हारा पनामारु बाजारा नै चाल्या, बाजारा न चाट्या
 लाडू म्हारै कुण गिण घालै म्हारा राज
 थे तो म्हारी मिरगा नखी हालरियो ये जणज्यो, नानकडो ए जणज्यो
 भाभी म्हारा गिण गिण घाल म्हारा राज
 थारा भाभीजी को नही है भरोसो, नही है भरोसो
 उठावता बिखेरे, घालता बिखेरे
 अजमो म्हारै नही गुण आवै म्हारा राज ।

थे तो म्हारा पनामारु बाजारा न चाट्या, बाजारा नै चाल्या
 लाडू म्हान कुण पकडावै म्हारा राज
 थे तो म्हारी चन्दावरणी हालरियो ये जणज्यो धीनडियो ये जणज्यो
 लाडू म्हारी बहन पकडावै म्हारा राज
 थारी बहन का नही है भरोसो, नही है भरोसो

आधो ल्याव, अन्ते म्हा

अजमा म्हा म्हा म्हा म्हा

म्हान तो म्हाग म्हाग म्हाग म्हाग म्हाग म्हाग म्हाग म्हाग

ये ही ल्यावो, नाहू म्हा

अजमा म्हा म्हा म्हा म्हा म्हा म्हा

अजयाण

ये तो म्हा रा पना मार
लय चार मात्राओं की द्रुत लय

पसा सा सा नी	सा सा रेगु मारे	मगु गुरे रे रेग	मा ऽ रेगु सारे
ये - तो म्हा रा	प ना मा - रु	ना - जा - रा नै -	चा - ल्या -
x	x	x	x
मगु गुरे रे रेगु	सा ऽ रेगु सारे	मम मगु गुरे रेगु	नी ऽ नी नी
वा- जा - रा नै-	चा - ल्या - -	अज मो-म्हा - रे-	कू - ए मु
x	x	x	x
सा रेगु रे नी	सा ऽ ऽ सा	सा सा सा नी	सासा सा रेग सारे
ला व - म्हा रा	ग - - ज	ये तो म्हा री	मिर गा न - एी
x	x	x	x
मगु गुरे रे रेगु	मा सा रेग सारे	मगु गुरे रे रेगु	सा सा रेग सारे
हा - लरि यो म -	ज ए ज्यो - -	ना म्हाडि यो ये -	ज ए ज्यो - -
x	x	x	x
मम मगु गुरे रेगु	नी नी नी नी	सा रेगु रे नी	सा ऽ ऽ सा
अज मो-म्हा-रा-	वा वा जी मु	ला व - म्हा रा	रा - - ज
x	x	x	x

पसा सा सा नी	मा रेगु मारे	मगु गुरे रे रेगु	सा रेगु सारे
या - रा रे वा	बा - जी - को -	न - ही रे भ -	रो - सो - -
x	x	x	x

मगु गुरे रे रेगु	सा रे रेम	मगु रे रेगु	सा रे रेम
न ही - र भ -	रो - सो वै -	पा - - च को -	ल्या - वै प -
x	x	x	x

मगु रे रेगु	सा रे रे	मम मगु गुरे रेगु	नी नी नी नी
ची - - स को व -	ता - वै -	मज मो म्हा - रे -	न ही गु ए
x	x	x	x

सा रेगु रे नी	सा रे रे सा
आ ठी - म्हा रा	रा - - - ज
x	x

पोमचा

वै तो नणद भोजाया दोन्यू कातती, वै तो करती मनडा री वात
रसिया बालम, हठ लाग्या, नणद वाई पोमचो ।

भाभी जे थारै जनमलो गोगलो, भाभी लेस्या पोमचडा रो वेस
रसिया बालम, हठ लाग्या, नणद वाई पोमचो ।

वाईजी जे म्हारै जनमलो गोगलो, बाईजी च्यार टका रो थारो नेग
रसिया बालम, हठ लाग्या, नणद वाई पोमचो ।

वै तो दूर देसा स्यू आया बाईजी, व तो त्याया हालरिया रा गीत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

वै तो गोळा जो बैठ्या सुमराजी, थारो धीयड नै समभाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

थे तो दे ओ म्हारी कुळबहू, पोमचो, थे तो जायो है लाडण पूत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

व ता पीढा जो बठ्या सासूजी, थारी धीयड नै समभाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

ये तो देओ म्हारी कुळबहू पोमचो, ये तो अवसर जायो है पूत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

न ता रुवड्या मे जाता जेठजी, थारो वहनड न समभाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद वाई पोमचो ।

थे तो देवो म्हारी कुळवई पोमचो; कोई नस्यो हे लाडलें पूत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

वै तो रसोया मे बैठ्या भाभीजी, थारी नणदल नै समभाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

थे तो देवो न दघोराणी म्हारा पोमचो, कोई म्हे भी दिया दोय रें न्यार
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

वै तो धुडला डकाता लाल जी, थारी बहनड नै समभाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

थे तो देवो ना भोजाई म्हारी पोमचो, भर जोयन जायो हे पूत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

वै तो महला मे बैठ्या दघोराणी, थारी नणदल नै समभाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

थे तो मत दघो भाभीजी म्हारा पोमचो, आपा नित उठ जणस्या पूत
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

वै तो सेज चढता मारुजी, थाकी बहनड नै समभाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

थे तो देवो नै मारुणी म्हारी पोमचो, थाने श्रीर रगावा दोय रें न्यार
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

म्हार आगण खूटो केर कोई रेसम की हे डोर
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

मैं तो कस कस बाघू वाईजी, कोई ढीला वाईजी रा बीर
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोमचो ।

वै तो ढीला सा वधग्या बाईजी, कोई कमग्या बाईजी रा वीर
रमिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोंमचो ।

मै तो घाई ये भौजाई थारो पोंमचो, थे तो छोटो वीराजी रा हाथ
रमिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोंमचो ।

म्हारै आगण कोचड माचियो, कोई फिमल्यो बाईजी रो पाव
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोंमचो ।

वै तो जीव छुडा भाज्या बाईजी, कोई टूट्या चाका का ज्यारू दात
रमिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोंमचो ।

थे तो मोल्यो बाईजी म्हारा पामचा, कोई फलू मत आज्यो म्हार वार
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोंमचो ।

म्ह तो आस्या जो जास्या बाप कै, इमे थारै पीयर को काई जाय
रसिया बालम, हठ लाग्या नणद बाई पोंमचो ।

पोमचो

वै तो नणद भोजाई
छ मात्राघो की मध्य लय

S	S	S	S	सा	सा	रेग	ग	सा	रेग	म	ग
—	—	—	—	व	तो	नण	द	भो	जाई	दो	न्यू
x						x					
रेसा	मा	S	सा	सा	सा	रेग	गमग	रेसा	रेग	पम	ग
फा	—	त	—	ती	वै	तो	कर	ती	—	मन	डा
x							x			री	
रे	S	रे	रेग	ग	रे	गरे	मा	नी	नी	सा	S
ना	—	त	रसि	या	—	बा	—	ल म	ह	ठ	—
x						x					
रग	गरे	सा	रेग	म	ग	रेमा	सा	S	सा		
सा	—	ग्यो	—	न	णद	वा	ई	पो	—	म	—
x								x			

जामुन

पहलो मास प्यारी धरण नै लाग्यो
दूजो मास प्यारी धरण नै लाग्यो
तो आळ भोळ जिव जाय जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो

हाथा रा तोड्या जामुन में नही खाऊ
सोनै रे चिटिये तुडायदघो
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो

तीजो मास प्यारी धरण नै लाग्यो
चौथो मास प्यारी धरण नै लाग्यो
तो खीर खाड मन जाय जी
राब दहिया मन जाय जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो

आगण का पडिया जामुन में नही खाऊ
रेशम को दुपट्टो बिछायदघो
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो

पाचवो मास प्यारी धरण नै लाग्यो
छठो मास नाजुक धरण न लाग्यो
तो लापसड्या जिव जाय जी
तो नीतूडा जिव जाय जी
पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो

सेर न खाऊ , दो सेर न खाऊ

खाऊ गी दोय रे चार जी

पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो

मातवो मास गोरी घण नै लाग्यो

आठवो मास सुहागण नै लाग्यो

तो घेवरिया मन जाय जी

तो लाडूई मन जाय जी

पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो

हाथा रा तोडघा जामुन में नही खाऊ

तो सोने रे चिट्टिये तुडायदघो

पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो

नवो जी मास प्यारी घण नै लाग्यो

पूरा जी मास प्यारी घण नै लाग्या

ओवरडै चित जाय जी

धीनड रो शब्द सुणाय जी

पिया रतनागर, छैला रतनागर, जामुन मगायदघो ।

जामुन

पहलो भास प्यारी चार मात्राओ की द्रुत लय

५ नी ध नी	सा ५ रे ग	रेग म गग रे	नी ५ सा ५
— पह लो —	मा — स प्या	री — धण नै	ला — ग्यो —
×	×	×	×

५ नी ध नी	सा ५ रे ग	रेग म गग रे	नी ५ सा सा
— पह लो —	मा — स प्या	री — धण नै	ला — ग्यो तो
×	×	×	×

५ ग ग ग	५ म रे रे	गप ५म ग ५	सा सा रे ग
— आ ल भो	— ल जि व	जा — वै जो —	पि या र त
×	×	×	×

रेग म ग ग	सा सा रे ग	रेग म ग ग	सा सा ध नी
ना — ग र	छे ला र त	ना — ग र	जा मु न म
×	×	×	×

सा ५नी सा ५
गा — य लो —
×

मगेजण जच्चा

पिया कोरे कोरे कूडं केसर घीळो, जामे लाम्बा लाम्बा केश भिकीळो
जी मुख बोलो मगेजण जच्चा ।

पिया रतन कागस बाया, कोई तेल फुलेल लगाया
जी मुख बोलो मिजाजण जच्चा ।

पडध्याया बैठ सुखाया, कोई सूरज किरण गुथवाया
जी मुख बोलो नखराळी जच्चा ।

पिया मोतीडा माग भराई, कोई जडियो घोर गुथाई
जी मुख बोलो चरिताळी जच्चा ।

गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, सासूजी रं हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो गुमानण जच्चा ।

पिया सासूजी नाही सुहावें, बै रात्यू पाव चम्पावें
जी मुख बोलो चन्दरावली जच्चा ।

गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, भाभीजी रं हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो मगेजण जच्चा ।

पिया भाभीजी नाही सुहावें, बै आघो द्रव्य बटावें
जी मुख बोलो मिजाजण जच्चा ।

गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, बाईसा रं हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो नखराळा जच्चा ।

पिया बाईसा नाही सुहावें, म्हारो वुगचो बठ खुलावें
जी मुख बोला चरिताळी जच्चा ।

गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, दघोराणी रं हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो गुमानण जच्चा ।

पिया दघोराणी बहुत सुहावें म्हारो आवो काम बटावें
जी मुख बोलो चन्दरावली जच्चा ।

गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, पाडोमण रें हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो चन्दावरणी जच्चा ।

पिया पाडोसण नाही सुहावें, वा नित ऊठ राढ कराव
जी मुख बोलो मिरगानेंणी जच्चा ।

गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, भायली रें हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो मगेजण जच्चा ।

पिया भायली बहुत सुहावें, बा रूस्या भवर मनावें
जी मुख बोलो गुमानण जच्चा ।

गोरी एक अरज म्हारी सुणज्यो, सायबजी रें हुकमा रहिज्यो
जी मुख बोलो नखराळी जच्चा ।

सायबजी बहुत सुहावें, म्हारी मोहरा मुठडी भराव
जी मुख बोलो चन्दावरणी जच्चा ।

मगेजण जच्चा

पिया कोरे कोरे कुण्डे बेसर
चार मात्राओ की द्रुत लय

५ ५ रे रसा	नी सा नी सा	रे रम रे सासा	नी ५ सा ५
-- पि या --	को रे को रे	कू ण्डे के सर	घो - लो -
×	×	×	×
५ ५ रेम म	म म म म	म पम रे रे	म प प मप रे
-- जा मे	ला बा ला बा	के -- श भि	को - लो -
×	×	×	×
म पम रे सा	नी सा ५ ५सा	रेम रेम रे सा	नी ५ सा ५
जी -- मु ख	बो लो -- म	गे - ज ण	ज - च्चा -
×	×	×	

जच्चा

सायबा बागा मे बोले जी मोर,
भरोखा बोली कोयली ओ गोरी रा स्याम
भरोखा बोली कोयली जी राज ।
सायबा थारी धण जायो छै पूत,
सबा गज धरती ऊमटी ओ गोरी रा स्याम
सबा गज धरती ऊमटी जी राज ।
सायबा माया नै मैमद ल्याय,
कोई पीळै सोने राखडी जी गोरी रा स्याम
कोई पीळै सोने राखडी जी राज ।
सायबा काना न कुण्डल ल्याय,
कोई ऊपर भवरक भूठणा ओ गोरी रा स्याम
कोई ऊपर भवरक भूठणा जी राज ।
सायबा मुखडा नै बेसर ल्याय,
कोई ऊपर भुमकी जहाव की जी गोरी रा स्याम
कोई ऊपर भुमकी जहाव की जी राज ।
सायबा गळै नै टीकावळ ल्याय,
कोई तिनडी ऊपर टेवटो जी गोरी रा स्याम
कोई तिलडी ऊपर टेवटो जी राज ।
सायबा बया नै बाजूबद ल्याय,
कोई गजरा ल्याज्यो गूयवा ओ गोरी रा स्याम
कोई गजरा ल्याज्यो गूयवा जी राज ।
सायबा पणल्या न पायल ल्याय,
कोई नाहे बाज बोछिया जी गोरी रा स्याम
कोई नाहे बाज बोछिया जी राज ।

सायबा कडघा नै पटोळो जी ल्याय,
 कोई ऊपर पीळो केसरधा जी गोरी रा स्याम
 कोई ऊपर पीळो केसरधा जी राज ।
 सायबा घागण म्हारै अगड दुळाय,
 कोई बगड दुळावो हीगळू जी गोरी रा स्याम
 कोई बगड दुळावो हीगळू जी राज ।
 सायबा पळिया म्हारी काच जडाव,
 कोई हाल मालती पग धरू जी गोरी रा स्याम
 कोई हाल मालती पग धरू जी राज ।
 सायबा पोळघा मे ढोल बजाव,
 कोई ज्यू रं सुण म्हारै बाप कं जी गोरी रा स्याम
 कोई ज्यू र सुण म्हारै बाप कं जी राज ।
 सायबा घागण म्हारै गीत गुवाय,
 कोई ज्यू जुग जाणं गीगो जनमियो जी गोरी रा स्याम
 कोई ज्यू जुग जाणं गीगो जनमियो जी राज ।
 सायबा इतरी म्हारी रळी ए पजोय,
 कोई जद होलर मे सीर द्यू जी गोरी रा स्याम
 कोई जद होलर मे सीर द्यू जी राज ।
 गोरी ए तू धण असल गिवार,
 कोई धारो म्हारो गीगो सीर को ए घर की नार
 कोई धारो म्हारो गीगो सीर को जी राज ।

जच्चवा

सायबा बागा मे वोल्याजी मोर

चार मात्राओ की द्रुतलय

S S रेरे र	मरे रेरे म रे	परे रे प म	S रेम रे सा
— साय बा	— बा— गा मे	बो — — त्या जी	— मो — र भ
x	x	x	x
नी सा रेम म	S प पध ध	ध पध धध प	S पम मरे रेप
रो खा बो — ली	— को — य	ली आ—गोरी रा	— त्या — म — भ —
x	x	x	x
रे रेप पम मरे	रे Sm रे नी	सा Sसा S S	
रो खा- बो- ली-	को-य नी जी	रा — ज — —	
x	x	x	

पोळो

घर घर मारूजी गावें छै गीत, अनोखो पोळो म्है मुण्यो जी, म्हारा राज
घर घर मारूली जाया छै पूत,
कोई ये घन जाई धीयडी जी, म्हारा राज ।
मरू ए क जीऊ म्हारी माय
कमधजिया मोमा बोलिया जी म्हारा राज ।
धे ब्यू मरो ए म्हारी धीय,
कोई मरज्यो भवरजी री दूसरी जी, म्हारा राज ।
कूण्या आगें करू नी पुकार,
म्हारी कृण सुणलो बीणती जी, म्हारा राज ।
पेमाता आगें करू ली पुकार,
म्हारी राम सुणलो बीणती जी, म्हारा राज ।
हालरिया रो पहलो जी मास
म्हारी ाळ भोळ मनडो गयो जी म्हारा राज ।
हालरिया रो दूजो जी मास
म्हारी धूकतडें मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
लाग्यो धण नै इगणो जी मास,
म्हारी राब अया मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
प्यारी धण नै चौथो जी मारू
म्हारी पीर खाड मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
पडोसण म्हारी चतुर सुजान,
उपराडें त्याय पकडायसी जी, म्हारा राज ।
हानरियो रो पाचवो जी मास,
म्हारी लावसड्या मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
सामूजी म्हारा चतुर सुजान,
पचधारी त्याय जिमायसी जी, म्हारा राज ।

लाग्यो धरण नै सातवो जी मास,
 म्हारो नीबूडें मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
 देवरियो म्हारो चतुर सुजान,
 नखचोल्या त्याय चुसायसी जी, म्हारा राज ।
 लाग्यो धरण नै आठवो जी मास,
 म्हारो घेवरिया मनडो गयो जी जी, म्हारा राज ।
 माऊजी म्हारा चतुर सुजान,
 कोई छात्रा भर पहुचायसी जी, म्हारा राज ।
 केसरिया म्हारा चतुर सुजान,
 कोई गोडा बठ जिमायसी जी, म्हारा राज ।
 लाग्यो धरण नै नौवो जी मास,
 म्हारो घाट पीळें मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
 लाग्या धरण नै पूरा जी मास,
 म्हारो ओवरडें मनडो गयो जी, म्हारा राज ।
 वेमाता म्हारी चतुर सुजान
 धीनड रो सवद सुणाइयो जी, म्हारा राज ।
 मास्तजी नै उरा ये बुलाय,
 थाका बोल्या वचन चितायल्यो जी, म्हारा राज ।
 हस हस गोरी बोल्या छा बोल,
 सुरग्यानण हिरदै लिख लिया जी, म्हारा राज ।
 पोत पाली रो मगाय,
 रगरेजो जपुर शहर को जी, म्हारा राज ।
 हलद हाडोती मगाय,
 कसूवो बीकानेर को जी म्हारा राज ।
 पीळो मास्तजी बठ रगाय,
 कोई ताही वरण बघायज्यो जी, म्हारा राज ।
 पीळो ओढ साजनिया री घीय
 कोई गड ये घरा री कुलबहू जी, म्हारा राज ।

पीछो मोठ हालरिया री माय
 कोई सैण भवरजी री बालमी जी, म्हारा राज ।
 थळिया मारुजी रतन जडाय
 कोई वगड दुळ्हाओ जाजा हीगळू जी, म्हारा राज ।
 घागण मारुजी काच जडाय,
 कोई हालमलन्ती पग धरू जी, म्हारा राज ।
 ने म्हारा जिवडा गरब न बोल,
 थारा इतरा कुण निरवाणसी जी, म्हारा राज ।
 निरबाणैला सुतराजी रा जोघ,
 कोई बाकी लेखण सिंग चढ्या जी, म्हारा राज ।

पीछो

घर घर मारुजी

नय चार मात्राओं की द्रुतनय

माध्र सागा मामा सा	मरे म म मग	रेग मा मा माता	मर म म मग
घर घर मारु जी	गा - वं छ-	गी — त बोई	गा — व छे-
x	x	x	x

रेग मा सा सा	गरे गम गमा रे	गरे ग रे म	गरे गरे सा ती
गी— — त अ	नो खो-पी-लो	म्हे — — सु	ण्य-जी-म्हा रा
x	x	x	x

सा S सा सा	गरे गम गसा रे	गरे ग रे म	गरे गरे सा ती
रा — — ज	नो-खो-पी-लो	म्हे — — सु	ण्यो जी-म्हा रा
x	x	x	x

सा S S सा
रा — — ज

पीळा

सोनीडा री हाट भवरजी नै म्हे सुण्या जी राज
गजरा मुलावै गोरी रा स्याम, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बू दी पर महक केवडो जी राज
गजरा मायला मोती दोय ऊबरचा जी राज
वो है म्हारी नणदल बाई रो नेग, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बू दी पर महक केवडो जी राज
रगरेजा री हाट भवरजी नै म्हे सुण्या जी राज
पीळो मुलावै गोरी रा स्याम, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बू दी पर महक केवडो जी राज ।
पीळा मायला सुलमा तारा ऊबरचा जी राज
वो है म्हारी नणदल बाई रो नेग, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बू दी पर महक केवडो जी राज ।
बजाजी री हाट भवरजी नै म्हे सुण्या जी राज
लहगा मुलावै गोरी रा स्याम, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बू दी पर महक केवडो जी राज ।
लहगा मायली कटिया दोय ऊवरी जी राज
वो है म्हारी नणदल बाई रो नेग, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बू दी पर महक केवडो जी राज ।
हलवाई री हाट भवरजी नै म्हे सुण्या जी राज
लाडूडा मुलावै गोरी रा स्याम, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बू दी पर महक केवडो जी राज ।
लाडू मायला खेरा चूरा ऊबरचा जी राज
वो है म्हारी नणदल बाई रो नेग, गोरी रा सायबा
मिजाजण धण रा बालमा, पीळा री बू दी पर महक केवडो जी राज ।

पीळा

सोनीडारी हाट भवरजीनै

लय चार मात्राओं की द्रुत लय

रे रेसा सा मा	सारे रेम मम पम	रे सा नी नीसा	सा ऽ ऽ सा
सो नी - डा री	हा - टभ वर जीनै	म्हे - सु ण्या जी-	रा — — ज
×	×	×	

रे रेसा सा सा	सारे रेम मम पम	रे सा सामा सा	रे ऽम म पम
ग ज - रा घ	डा-वै गोरी रा -	स्या - म गोरी रा	सा - य बा मि
×	×	×	×

रे रेसा सासा सा	रे ऽम मप मम रे	रे रेसा सा सा	सारे रेम मम पम
जा जण घण रा	बा - ल मा - - -	पी ला - री बू	दी - पर मह ष
×	×	×	×

रे सा नी नी	सा ऽ ऽ सा
वे - व डो जी	रा — — ज
×	×

पीळा

थारी तो दाई जी ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो सागै त्याओ जी गुणसायर ढोला
ओजी ओ बादीला ढोला
भवर पिलग पर पीडा गैरी गैरी आवै

गहरी गहरी आवै लसकरिया, दूणी दूणी आवै
म्हारो चन्द्रबदन कुम्हळावै जी बाईसा रा बीरा
दाई माई आवै, नानुक जीव छुडावै
थारी बोली अब नाय सुहावै जी, लम्करिया ढोला
भवर पिलग पर पीडा, गहरी गहरी आवै ।

थारा तो भाऊजी ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो सागै त्याओ जी, मिजाजी ढोला
सासूजी आवै गहरो थाळ बजावै
म्हे दूणो सो मान बढावा, जी, हजारो ढोला
महला मे होलर राजा सबद सुणावै ।

थारी तो भावज ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो सागै त्याओ जी नखराळा ढोला
भाभीजी आवै म्हारै पिलग बिछावै
म्हारै महला मे दिवलो जगावै जी, बादीला ढोला
गोरी कै बदन पर पीळो अधिक सुहावै ।

थारी तो बहना ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो साग त्याओ जी, नणदल रा बीरा
बाईसा आवै साळा साधिया दिरावै

म्हारै नान्हा रा भगला टोपी ल्याव, ओ गुणसायग टोला
बाईसा आव म्हार आरती सजोवै ।

थारा तो जोसी ढोला म्हारै नही आवै
थे आप पधारो सागें ल्याओ जी, रसीला ढोला
जोसी जी गोगा रो न्हावण पुजार्व
म्है गहरो सो नेग चुकास्या जी हजारी ढोला
गोरी कै बदन पर पीळो अधिक सुहावै ।

पोळा

थारा तो माऊजी ढोला

लय चार मात्राओं की द्रुत लय

५ घसा सा रेग	गम पध म मग	रे गम रेग सा	सा ५ सा ५
- था- री तो-	दाई जो- ढो ला-	- म्हारै न- ही	आ - वै -
×	×	×	×
५ घसा सा रेग	गम पध म मग	रे गम रेग सा	सा ५ सा सा
- था- री तो-	दाई जो ढो ला	- म्हारै न- ही	आ - वै ये
×	×	×	×
५ सा रेग ग	गम पध म मग	रेग गग सारै गग	गम पध म मग
- आ प- प	घा- रो- सा गै-	- त्यावो जी- गुण	सा- यर ढो ला-
×	×	×	×
रेग गग सारै ग	गम पध म मग	रेग सासा रेग ग	गम पध म मग
- ओजी ओ- बा	दो- ला ढो ला-	- भव र- पि	लग पर पी डा-
×	×	×	×
रे मग रेग सा	सा ५ सा ५		
- गैरी गै- री	आ - वै -		
×	×		

पीळा

देवर पानीडा नै गई थी तळाय, जो देवर
तीतर पळ्यो वादळ उमटघो जो ओ राज ।
भाभी किरमिर वरसैलो मेह ओ भाभी
पीळो तो भीजें थारो केसरघा जी ओ राज ।
देवर भीजें है तो भीजण दघो, जो देवर
ओर रगास्या पीळो केसरघा जी ओ राज ।
भाभी शीश वण्यो नारेळ, ओ भाभी
चोटी तो वासक राजा वस रहघा जी ओ राज ।
भाभी मोतीडा स्यू दीपें जी लिलाड, ओ भाभी
भवारा ए भवरा पडघा जी ओ राज ।
भाभी नाक सुआ की सी चाच, ओ भाभी
नैण सलूणा थारा होय रहघा जी, ओ राज ।
भाभी दात दाडम का सा बीज, ओ भाभी
जीभडल्या डमरत वसै जी ओ राज ।
भाभी बाय चम्पा की सी डाळ ओ भाभी
मू गफळी मी थारी आगळी जी ओ राज ।
भाभी पट पीपळ को सो पान, ओ भाभी
पसवाडा पामा पड्या जी ओ राज ।
भाभी पाव देवळ को सो थाव ओ भाभी
पीडी तो बेलण वेलिया जी ओ राज ।
भाभी फावो सळवा सू ठ ओ भाभी
एडी तो मुरग सुपारिया जी ओ राज ।
भाभी काई थाने घडी जी सुनार, ओ भाभी
काई थाने सचे उतारिया जी ओ राज ।

देवर नही म्हानै घडी जी सुनार, जी देवर
 नही म्हानै सचे उतारिया जी ओ राज ।
 देवर जनम दियो म्हारी माय, जी देवर
 रूप दियो है राजा रामजी, जी ओ राज ।
 भाभी धन थारा माय र बाप, ओ भाभी
 ज्यारे थे ओदर उपन्या जी ओ राज ।
 भाभी धन म्हारा बडा भाई रो भाग, ओ भाभी
 ज्यारी थे सेजा सुन्दर सोवणा जी ओ राज ।
 देवर धन थारी सुगणी जीम, जी देवर,
 रूप बखाण्यो म्हारे जिव को जी ओ राज ।
 भाभी धन थारी सुगणी कूख, ओ भाभी,
 वस वधायो म्हारे बाप को जी ओ राज ।

पीछा

देवर पाणीडैने गई थी
सात मात्राओं की मध्य लय

								सा ऽ सा सा
								दे - व र
र	रे	म	सा	ऽ	सा	ऽ	रेम सारे	ऽ म ऽ प म
पा	णी	-	ड	-	ने	-	ग - ई -	थी - - त
×							×	
प	प	ऽ	प	ऽ	प	प	म नी	ऽ घ नी प घ
छा	-	-	-	-	-	व	जी -	- दे - व र
×							×	
म	म	ऽ	प	घ	म	प	गू गू	ऽ रेम गू सा सा
ती	-	-	त	-	र	-	प ज्यो	- वा - द छ
×							×	
रे	रे	ऽ	म	ऽ	म	ऽ	मप	ऽ ऽ रेम गू रेसा ऽ
उ	-	-	-	-	म	-	ट्यो	- - जी - ओ -
×							×	
सा	ऽ	सा						
रा	-	ज						
×								

पीळो

पाच मोहर को सायबा पीळो रगादघो जी
तो हाय अठासी गज बीसी गाढा मारुजी, पीळो रगादघो जी ।
दिल्ली ए शहर का सायबा पोत भगाओ जी
तो जैपुर का रगरेजा गाढा मारुजी, पीळो रगादघो जी ।
राय आगल द्विच सायबा केसर घुळाओ जी
तो जच्चा रो पीळो त्रँठ रगाओ गाढा मारुजी, पीळो रगादघो जी ।
अल्ला तो पल्ला सायबा मोहर रुपया जी
तो बिच बिच बाद छपाओ गाढा मारुजी, पीळो रगादघो जी ।
आप सरीसा दोय छल बुलाओ जी,
तो दे फटकार सुखाओ गाढा मारुजी, पीळो रगादघो जी ।
रग्यो ए रगायो सायबा होयो ये सजोतो जी
तो पढदा मे पढाओ गाढा मारुजी, पीळो भल ओढा जी ।
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा पाटै पर बँठी जी
तो सासू नणद सरायो गाढा मारुजी, पीळो भल ओढो जी ।
कै बहुराणी थारी माय रगायो जी
तो कै ननसाळा स्यू आयो बहू म्हारी ए, पीळो भल ओढो जी ।
ना सासूजी म्हारी माय रगायो जी
तो नही ननसाळा स्यू आयो सासू म्हारा जी, पीळो भल ओढो जी ।
सासूजी को जायो भोळी बाईमा को बीरो जी
तो पीळो म्हारा राजन रगायो सासू म्हारा जी, पीळो भल ओढाजी
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा सरवर नै चाली जी
तो सगळो शहर सरायो गाढा मारुजी, पीळो भल ओढो जी ।
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा महल पघारो जी
तो कोई ये निरास्यो नजर लगाई गाढा मारुजी, पीळो भल ओढो

आख्या नहीं खोल म्हारी जच्चा, मुखड़े नहीं बोलें जी
 तो जच्चा का राजन त्रिनखिया डोरे गाढा मारुजी, पीछो भल ओढो जी।
 दिल्ली ये शहर को मायबा जंद बुलाओ जी
 तो जच्चा को हाथ दियाओ गाढा मारुजी, पीछो भल ओढो जी।
 भाई भाई का रे वंद रोक रुपैया जी
 तो हाथ दियाई मोहर पचीसा गाढा मारुजी, पीछो भल ओढो जी।
 आप चढण को सायबा घुड़लो बकसाओ जी
 तो जच्चा कै जोर को बचाई गाढा मारुजी, पीछो भल ओढो जी।
 आख्या भी खोलें म्हारी जच्चा मुखड़े भी बोलें जी
 तो जच्चा का राजन हरखिया डोलें गाढा मारुजी, पीछो भल ओढो जी।
 ये छो वंद का वेटा असल ठगोरा जी
 म्हारा भोठा मा राजन ठग लीना गाढा मारुजी, पीछो भल ओढो जी।
 ये डो म्हारी मिरगानैणी असल ठगोरी जी
 तो ठग कर बद बुलाया मिरगानैणी ठ, पीछो भल ओढो जी।
 म्हे म्हारा मारुजी को यो मन लेवें था
 कि प्यारा हा कि दुप्पारा गाढा मारुजी, पीछो भल ओढो जी।
 सेज चढन्ती जच्चा सदा ये पियारी जी
 तो पूत जण्या स नहुत पियारी मिरगानैणी ये, पीछो भल ओढो जी

पोछा

पाच मोहर को सायवा
चार मात्राओ की द्रुत लय

॥ मप नी नी	मासा सा नीसा मा	५ ग् रे सा	रे नी सा ५
- पा- च मो	हर को साय वा	- पी लो र	गा छो जी -
×	×	×	×
५ मप नी नी	सासा सा नीसा सा	नीसारेगु ग् रे सा	रे नी सा सा
- पा- च मो	हर को साय वा	— पी लो र	गा छो जी तो
×	×	×	×
५ ग् ग् रे	म ग् रेगु रे नी	सा रेगु रे सा	नी नी सा ५
- हा थ झ	ठा सी ग- ज	बी सी- गा ढा	मा रु जी -
×	×	×	×
५ ग् रे सा	रे नी सा ५		
- पी लो र	गा छो जी -		
×	×		

राखी

ए कुण राखी रा गाहकी जी राखी सोना की
कोई ए कुण खरचैला दाम राखी सोना की
घड ल्याई रे चतर सुनार राखी सोना की
सुसराजी राखी रा गाहकी जी राखी सोना की
कोई जेठजी खरचैला दाम राखी सोना की
पो ल्याई रे पटवा पाट राखी सोना की
बिच मे स्यू पनामारु ले आया जी राखी सोना की
म्हारी सायघण जायो छै पून राखी सोना की
घड ल्याई रे चतर सुनार राखी सोना की
ये जुग जीवो गोरी रा सायबा जी राखी सोना की
कोई थे म्हारो मान बढ़ाय राखी सोना की
पो ल्याई रे पटवा पाट राखी सोना की
ये जुग जीवो म्हारी मनसई जी राखी सोना की
कोई बाबाजी रो बस बढाय राखी सोना की
घड ल्याई रे चतर सुनार राखी सोना की

राखी

ए कुण राखी

चार मात्राओं की मध्य लय

घ ऽ घ घ	घ ऽ घ घ	प प ऽ म	रे म प म
ए - कु ण	रा - खी रा	- गा - ह	की जी रा खी
×	×	×	×

रे ऽ सा ऽ	सा ऽ नी सा	रे ऽ रे सा	रे रे म पम
मो - ना -	की - की ई	ए - कु ण	ख र बै ला-
×	×	×	×

रे ऽ ऽ रे	रे ऽ म पम	रे ऽ सा ऽ	सा ऽ नी सा
दा - - म	रा - खी —	सो - ना ऽ	की - घ ड
×	×	×	×

रे रे रे सा	रे रे म पम	रे रे रे सा	रे ऽ म पम
ल्यो ई रे —	च त र सु-	ना - - र	रा - खी —
×	×	×	×

रे ऽ सा ऽ	सा ऽ ऽ ऽ
सो - ना -	की - - -
×	×

बगडी

माथे नै मैमद त्याओ रगरसिया,

कुठला घडाओ पिया अवार की घडी

लेदघो भवर म्हाने बाजणी सी बगडी ।

बाजणी सी बगडी, उदियापुर की चुनडी,

म्हारा सासूजी रे पाव पढता बाजेली घणी

लेदघो भवर म्हाने बाजणी सी बगडी ।

मुखडा नै बेसर त्याओ रगरसिया,

टेवटियो घडादघो पिया अवार की घडी

लेदघो भवर म्हाने बाजणी सी बगडी ।

बाजणी सी बगडी, होरा जडी रघडी

म्हारा हालरिया नै भोटो देता बाजेली घणी,

लेदघो भवर म्हाने बाजणी सी बगडी ।

वेया नै चुडलो त्याओ रग रसिया,

गजरा घडादघो पिया अवार की घडी

लेदघो भवर म्हाने बाजणी सी बगडी ।

बाजणी सी बगडी, मोतिया री तिलडी

म्हारा आलीजा र महल चढता बाजेली घणी

लेदघो भवर म्हाने बाजणी सी बगडी ।

पगल्या नै पायल त्याओ रगरसिया,

बिछिया घडादघो पिया अवार की घडी

लेदघो भवर म्हाने बाजणी सी बगडी

बाजणी सी बगडी, सोने री तगडी

म्हारें घाघरें री घूमर ऊपर सोवें तगडी

लेदघो भवर म्हाने बाजणी सी बगडी ।

घगढी

माथीनें मंमद ल्याओ रग रसिया

चार मात्राओ की द्रुत लय

म ऽ म प	घ न्नीध प प	प पध म म	म मप परे ऽ
---------	-------------	----------	------------

मा - यै न	मै — म द	ल्या ओ- र ग	र सि- या -
x	x	x	x

म म म प	घ घ घ घप	म ऽम म प	घ ऽ न्नीध प
---------	----------	----------	-------------

भू ट एा घ	डा छो पि या-	बा -र की घ	डी - - -
x	x	x	x

म म ऽ प	घघ न्नी प प	प ऽप घप म	म मप परे रे
---------	-------------	-----------	-------------

ले छो - म	वर जी- म्हा नै	बा -ज एी सी	ब ग- डी- -
x	x	x	x

सा ऽमा सा सा	मा रेंमा घ ऽ	पध घ घघ पध	म म म मरे
--------------	--------------	------------	-----------

बा -ज एी सी	ब ग- डी -	उदि या पुर की-	चु न डी म्हा रा
x	x	x	x

म म म प	घ ऽन्नी घ प	म म म प	घ ऽ न्नीध प
---------	-------------	---------	-------------

सा सू जी रै	पा-व प ड स्ता	वा जै ली घ	एी - - -
x	x	x	x

म म ऽ प	घघ न्नी घ प	प ऽप घप म	म मप परे रे
ले द्यो - भ	वर जी म्हा नं	वा -ज एी सी	व ग डी -
x	x	x	

मेंहदी

और खरीदें रखडी मेमद मारुजी खरीदें मेहदी
आलीजा हठ लाग्या जी महला मे आवो गोरी
और खरीदें भवरक झुठणा मारुजी खरीदें मेहदी
आलीजा हठ लाग्या जी महला मे आवो गोरी
मारुणी महल पघारो ए हाथा स्यू लगावा मेहदी

म्हारी नणद लाडली बाट छणाई हाथा से लगाई मेहदी
आलीजा हठ छोडो जी हाथा मे रच रही मेहदी
मारुणी महल पघारो ए थारी तुरत सुखादचा मेहदी

और खरीदें तिलही टेवटो मारुजी खरीदें मेहदी
बादीला हठ लाग्या जी महला मे आवो गोरी
और खरीदें बाजूबद गजरा मारुजी खरीदें मेहदी
मनभरिया हठ लाग्या जी महला मे आवो गोरी
मारुणी महल पघारो ए थारै हाथ रचादचा मेहदी

म्हारी नणद लाडली बाट छणाई हाथा मे लगाई मेंहदी
आलीजा हठ छोडो जी हाथा मे रच रही मेहदी
मारुणी महल पघारो ए थारी तुरत सुखादचा मेहदी

और खरीदें पायल बिछिया, मारुजी खरीदें मेहदी
बादीला हठ लाग्या जी महला मे आवो गोरी
और खरीदें पीळो पोमचो, मारुजी खरीदें मेहदी
रसीला हठ लाग्या जी महला मे आवो गोरी
मारुणी महल पघारो ए हाथा की निरखा मेहदी

म्हारो नणद लाटली बाट छणाई, हाया में लगाई मेहदी
 यादोला पल्लो छोटो जी हाया में रच रही मेहदी
 मारुणो महल पधारो ए हायां की निरघां मेहदी
 मारुणो महल पधारो ए माहरां स्यू भरदया मूठी ।

मेहदी

चार मात्राओं की द्रुतलय

सा सासा सा साप	पप पनी ध पप	गग गग गम प धप	मग म S S
श्री रख री दे-	रख डी- मे मद	मारु जीख री- दे-	मेह दी - -
×	×	×	×

सा सासा सा साप	पप पनी ध पप	गग गग गम प धप	मग म S ग्
श्री रख री दे-	रख डी- मे मद	मारु जीख री- दे-	मेह दी - आ
×	×	×	×

रे ग् सा रे	रेप प पम धप	ग् गुरे सा रे	नी सा S S
ली जा ह ठ	ला- ग्या जी मह	सा मे- आ वो	गो री S S
×	×	×	×

चूड़ो

ये तो सुणो जी सुसराजी बहू री बीणती,
धारा कवरा नँ ओळग जाता राखो म्हारा राज,
गोरी नँ गुलाबी चूड़ो हृद बण्यो ।
आ तो म्हे नही जाणा म्हारी कुठ बहू,
धा का आलीजा नँ ये ही समझाओ म्हारा राज,
गोरी नँ गुलाबी चूड़ो हृद बण्यो ।
ये तो सुणोजी जेठजी बहू री बीणती,
धारा बीराजी नँ ओळग जाता राखो म्हारा राज,
गोरी नँ गुलाबी चूड़ो हृद बण्यो ।
आ तो म्हे नही जाणा म्हारी कुठ बहू,
धा का आलीजा नँ ये ही समझाओ म्हारा राज,
गोरी नँ गुलाबी चूड़ो हृद बण्यो ।
ये तो सुणो जी लालजी म्हारी बीणती,
धारा दादाभाई नँ ओळग जाता राखो म्हारा राज,
गोरी नँ गुलाबी चूड़ो हृद बण्यो ।
आ तो म्हे नही जाणा म्हारी भावज जी,
धा का आलीजा नँ ये ही समझाओ म्हारा राज,
गोरी नँ गुलाबी चूड़ो हृद बण्यो ।
ये तो सुणो जी भवरजी गोरी री बीणती,
धाका साथीडा मे ओळग जाना रहिजो म्हारा राज,
गोरी नँ गुलाबी चूड़ो हृद बण्यो ।
गोरी ये जुग जीवो म्हारी मनसई,
म्हारा बाबाजी रो वस बघायो म्हारा राज,
गोरी नँ गुलाबी चूड़ो हृद बण्यो ।

चडो

लय सात मात्राप्रो की मध्यलय

५ ५ ५ | ग् ५ ग् रे | सा रे ५ | नी ५ नी नी
 - - - | थे - तो - | सु - णो - | जी - सु स
 x

सा सा ऽ गू गू गू रे सा रे ऽ नी ऽ- नी ऽ
रा जी - व हु री - बी — — रा — —
x

सा	सा	S		सा	S	सा	प		प	प	S		प्रनी	धनी	S	ध
ती	-	-		था	-	रा	-		क	व	-		रा-	-	-	नै
x																

प ध् प | म ऽ म ऽ | रे म ऽ | प ध् म प
ओ छ ग | जा - ता - | रा खो - | म्हा - रा -
x

गू	S	सा		सा S सा प		प	प	S		पनी धनुी S ध
रा	-	ज		था - रा -		क	व	-		रा- — - नै
x										

प ध् प | म ऽ म ऽ | रे म ऽ | प ध् म प
 ओ ळ ग | जा - ता - | रा खो - | म्हा - रा -
 x

ग् ऽ रे | सा रे सा ऽ | सा रे ऽ | नी ऽ ऽ नी
 रा - - | - - - जा गो री - | नै - - गु
 x

सा सा ऽ | रेम ग् ग् रे | सा रे ऽ | नी ऽ नी ऽ
 ला बी - | चू - डो - | ह द - | ब - - -
 x

सा सा ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा रे ऽ | नी ऽ ऽ नी
 ण्यो - - | - - - गो री - | नै - - गु
 x

सा सा ऽ | रेम पध् प ऽ | ग् ग रे | नी ऽ नी ऽ | सा सा ऽ
 ला बी - | चू - - डो - | ह द - | ब - - - | ण्यो - -
 x

चूडा

गाडा तो आया गुजरात रा जी, माय गूगळिया री भात

केसरिया, पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया, लाल चूडो पहराय ।

त्याय उतारया चानण चौक मे जी, गाहक फिर फिर जाय

हठीला सायब पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

ए कुण चुडल रा गाहकी जी ए कुण खरचंला दाम

मिजाजी ढोला, पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

सुसराजी चुडलें रा गाहकी जी, जेठजी खरचंला दाम

हजारी ढोला, पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

बिच मे त्यू पनामारू ले आयाजी, प्यारी घण जायो है पूत

रसीला ढोला पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

सुसराजी म्हारा थे बडा जी, चुडल रो मुहर्त कढाय

अलबेला ढोला, पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

जोसीजी म्हारा थे बडा जी, म्हारें चुडलें रो मुहर्त बताय

बादीला ढोला पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

बाईजी म्हारा थे बडा जी, चुडला रे राखी बघाय

मनभरिया, पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

सासूजी म्हारा थे बडा जी, चुडलें रा गीत गवाय

मिजाजी ढोला, पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

सायबजी म्हारा थे बडा जी, मोहरा स्यू मुठडी भराय

रसीला पिया, पिव चुडलो पहराय ।

केसरिया लाल चूडो पहराय ।

बार दानीचर छोडदघो ए गोरी, पहरो नै सोमवार, नखराळी गोरी

लाल चूडो भल पैहरो ।

नान्हा री मायड लाल चूडो भल पैहरो ।¹

चूडा

लय छे मात्राओ की द्रुतलय

सा	साप	प	पप	घ	प	मप	ग	ग	गम	प	S
गा	डा-	तो	आया	गु	ज	रा-	-	त	रा-	जी	-
X						X					

सा	साप	प	पनी	घ	प	मप	ग	ग	गम	प	S
गा	डा-	तो	आया	गु	ज	रा	-	त	रा-	जी	-
X						X					

प	नीघ	नी	धुप	प	घ	मप	ग	सा	गम	प	धुप	म
मा	य-	गु	गळि	या	री	भा-	त	के	सरि	या-	-	
X						X						

पप	म	म	मप	ग	सासा	सा	सा	पम	मम	म	मप	घ
पिव	चु	ड	लो	-	पह	रा	य	के-	सरि	या	-	-
X						X						

धुप	पम	म	मप	ग	सासा	सा	सा	सा	सा	सा	सा	
ला-	ल-	चू	डो	-	पह	रा	-	-	-	-	य	
X						X						

प	पनी	नी	नीनी सा सासा	नोध सानी धूप	प	प	5
ल्या	य-	उ	तार च्या नण	चो - - क-	मे	जी	
×				×			
सा	साप	प	पप ध् प	मप ग ग	गम प धप म		
गा	ह-	क	फिर फि र	जा- य के	सरि या- -		
×				×			
मप	म	म	मप ग सासा	सा सा पम	मम म मप ध		
पिव	चु	ड	लो- - पह	रा य के-	सरि या - -		
×				×			
धूप	पम	म	मप ग सासा	सा सा सा	सा सा सा		
ला-	ल-	चू	डो- - पह	रा - -	- - य		
×				×			

सूठ

जी वो आरै, जी वो आरै गावा रै गोर मे जी

जी वो आया आया सठवा रा कोट

जच्चा नै अलबेली नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो ए कुण, जी वो ए कुण सठवा रा गाहकी जी

जी वो ए कुण खरचैला दाम

जच्चा नै नखराळी नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो सुसराजी, जी वो सुसराजी सठवा रा गाहकी जी

जी वो जेठजी खरचैला दाम

जच्चा ने बडगोतण नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो बिच मे, जी वो बिच मे स्यू पनामार ले आया जी

म्हारी प्यारी घण जायो है पूत

जच्चा नै पिया प्यारी नै लाडू भाव सूठ का जी

जी वो घी तो, जी वो घी तो सुरभी को मगाइयो जी

जी वो जालापुर की खाड

जच्चा नै अलबेली नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो रतन, जी वो रतन कडाई बणाइया जी

जी वो लाडू म्हारा बैठ सघाय

जच्चा नै नखराळी नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो नाय, जी वो नाय भरोसो थारी माय को जी

जी वो लाडू म्हारा गिण गिण घाल

जच्चा नै बडगोतण नै लाडू भावै सूठ का जी

जी वो रतन, जी वो रतन कचीळे लाडू फाडियो जी

जी वो लाडू म्हारा हुया छे सवाद
 जच्चा नै पिया प्यारी नै लाडू भावै सूठ का जी
 जी वो ऊबो, जी वो ऊबो म्हारो देवरियो यू कवै जी
 भाभी लाडूडा री कोर चखाय
 जच्चा नै अलबेली नै लाडू भावै सूठ का जी
 देवर फोडू, देवर फोडू तो हूयं म्हारी आगली जी
 जी वो सारो म्हा स्यू दियो ए न जाय
 जच्चा नै नखराली नै लाडू भावै सूठ का जी
 जी वो ऊबा, जी वो ऊबा म्हारा बाईमा यू कवै जी
 भाभी दोय लाडू सीख का जी काढ
 जच्चा नै बडगोतण न लाडू भाव सूठ का जी
 भाभी दोय, भाभी दोय देवी नै दोय देवता जी
 भाभी च्यार लाडू पितरा का काढ
 जच्चा नै पिया प्यारी नै लाडू भावै सूठ का जी

चार मात्राओं की द्रुतलय

				५ ५ प म
				- - जी वो
गम गम म ५	म ५ नी प	सा ५ नी प	पनी ५ पम ५	
आ - रै -	- - जी वो	आ - रै गा	वा - रै -	
×		×		
पनी ५ नी सानी	प ५ मप जी	पम ग म ५	सा सानी नीरे रे	
गो - र -	- - मे -	- - जी -	जी वो- आ- मा	
×		×		
सा सा नीप प	सा मा नी प	सा ५ नी प	ग ग म ५	
आ या स- छ	वा रा को -	- - ट -	जच्चा नै -	
×		×		
नी प सा ५	नी प नी सानी	पम म नी ५	नी सानी प ५	
अ रा वे -	ली नै ला- डू -	भा- वै सू -	ठ - - -	
×		×		
मप ५ नी पम ग	म ५			
का - - -	जी -			
×				

केसर

पहलो मास होलरियो जी भवरजी
म्हार आळ भोळ मन रळियो म्हारा राज
द्वजो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो थूकतडे मन रळियो म्हारा राज
श्रो जी मिरगानैणी रा भवरजी
म्हानै भीणी केसर पावो म्हारा राज

केसर महगी ए भारूणी
हाडोती हळदी पीओ म्हारा राज
हळदी रग पतगी जी भवरजी
म्हे केसर स्यू रग छाटा म्हारा राज

इगणी मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो राब दहिया मन रळियो म्हारा राज
चौथो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो खीर खाड मन रळियो म्हारा राज
म्हारो खीर खाड मन रळियो म्हारा राज
श्रो जी चंदरावदनी रा भवरजी
म्हानै भीणी केसर पावो म्हारा राज
केसर महगी ए भारूणी
हाडोती हळदी पीवो म्हारा राज
केसर को काई महगो जी भवरजी
कोई थाको जिवडो काठो म्हारा राज

पाचवो मास होलरियो जी भवरजी
म्हारो लापसडथा मन रळियो म्हारा राज

आ तो साध भली छै ए मारुणी
 सासूजी रली ए पुरावै म्हारा राज
 सासूजी म्हारा चतर सुजान
 पचधारी त्याय जिमावै म्हारा राज
 छठो मास होलरियो जी भवरजी
 म्हारो नीबूडै मन रलियो म्हारा राज
 आ तो साध भली छै ए मारुणी
 देवरियो रली ए पुरावै म्हारा राज
 देवरियो म्हारो चतर सुजान
 नखचोल्या त्याय चुसावै म्हारा राज
 ओ जी ऊजळदती रा भवरजी
 म्हानै भीणी केसर पावो म्हारा राज
 केसर महगी ए मारुणी
 हाडोती हळदी पीवो म्हारा राज
 महगी, सगी त्यादघो जी भवरजी
 म्हानै पडदा मे पकडाओ म्हारा राज
 सातवो मास होलरियो जी भवरजी
 म्हारो लाडूडै मन रलियो म्हारा राज
 आठवो मास होलरियो जी भवरजी
 म्हारो घेवरिये मन रलियो म्हारा राज
 आ तो साध भली छै ए मारुणी
 माऊजी रली ए पुरावै म्हारा राज
 माऊजी म्हारा चतर सुजान
 कोई छावा भर पहुचावै म्हारा राज
 मारुजी म्हारा चतर सुजान
 म्हानै सागै बैठ जिमावै म्हारा राज
 ओ जी पीयरपूरी रा भवरजी

म्हानै भीणी केसर पायो म्हारा राज
 बेमर महगी ए माहणी
 हाडोती हळदी पीवो म्हारा राज
 केसर को काई महगो जी भवर जी
 कोई थाको जिवडो काठो म्हारा राज
 हळदी रंग पतंगी जी भवरजी
 म्हे केसर स्यू रंग छाटा म्हारा राज
 नी दस मास होलरियो जी भवरजी
 म्हारो ओवरड मन रळियो म्हारा राज
 आ तो साध भली छे ए माहणी
 बेमाता रळी ए पुराबै म्हारा राज
 बेमाता म्हारी कतर सुजान
 धीनड रो सबद सुगाबै म्हारा राज
 ओ जी मिरमानणी रा भवरजी
 म्हानै भीणी केसर पावो म्हारा राज
 महगी संगी ल्याया ए माहणी
 थान पडदा मे पकडावा म्हारा राज
 हळदी को काई पीवो ए माहणी
 थे केसर स्यू रंग छाटो म्हारा राज

केसर

ताल कहरवा (मात्रा 8)

रे म म रे	म प प म	म प प म	म रे प म
प ह लो ऽ	भा ऽ स हु	ल रि यो ऽ	जी ऽ भ ऽ
×	○	×	○
रे सा नि सा	सा — म म	म <u>पम</u> रे म	म प प म
व ऽ ऽ र	जी ऽ म्हा रो	आ <u>ऽऽ</u> ल भो	ऽ ल म न
×	○	×	○
म प प —	<u>रेम</u> <u>पम</u> रे —	रे — म रे	नि सा सा —
रा लि यो ऽ	म्हाऽ ऽऽ रा ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ज ऽ
×	○	×	○

घूघरी

सूती घण सुप भर नीद
सुपन मे वाटी घूघरी जी म्हारा राज
गेहू चणा पी घूघरही रंघाय
चणै का ऊपर टोटला जी म्हारा राज
हरिये बास को छावडलो मगाय
दरियाई ऊपर न्यातणो जी म्हारा राज
नाईकै नै बेग बुलाय
म्हारी नगर बेंटाओ घूघरी जी म्हारा राज
आवो नाईका बेंठो म्हारै पास
म्हारी इस विघ वाटो घूघरी जी म्हारा राज
वाटो नाईका उरलै परलै बास
मत दोजो नणद घर घूघरी जी म्हारा राज
वाटो नाईको उरलै परलै बास
वाईजी कै ओज्यो चोलियो जी म्हारा राज
आवो नाईका बठो म्हारै पास
म्हारी किस विघ वाटो घूघरी जी म्हारा राज
वाटो जजमान उरलै परलै बास
वाया कै ओज्यो चोलियो जी म्हारा राज
ये जी नाईका असल गिंवार
म्हारी बाट न जाणी घूघरी जी म्हारा राज
सूती घण खूटी जी ताण,
होलर नै गोदो नही लियो जी म्हारा राज
बाहर से आया गोरी का पीव
म्हारी जच्चा बिलखी ब्यू पढी जी म्हारा राज

थारो नाईको असल गेंवार
 म्हारी बाँट न जाणी घूघरी जी म्हारा राज
 ऊठो ए सायघण दातण फाड
 थारी पाछी ल्यावा घूघरी जी म्हारा राज
 पाँच पियादा दम अमवार
 बाई घर बीरो पावणो जी म्हारा राज
 कातै थो बाई लाम्बा-लाम्बा तार
 कोई बटली-बटली कूकडी जी म्हारा राज
 छोरा छोरी चढो ए पहाड
 थारा मामा को दळ ऊमगियो जी म्हारा राज
 आवो बीरा बैठो म्हारं पास
 थारो आवण क्यू हुयो, जी म्हारा राज
 थारी भावज ओछा घर की घीय
 थारी पाछी मार्ग घूघरी जी म्हारा राज
 बीरा रे म्हारा हळवा हळवा बोल
 म्हारी दघोर-जिठाण्या सै सुणै जी म्हारा राज
 दीनी बीरा भाणजडा नै वाट
 ऊवरती को फाको म्हे लियो जी म्हारा राज
 बीरा रे तू आपण्डै घर चाल
 थारी पाछी ल्यावा घूघरी जी म्हारा राज
 सोनै की घूघरली घडाय
 रूप का ऊपर टोटला जी म्हारा राज
 हरिये बाँस को छाबडलो मगाय
 दरियाई ऊपर न्यातणो जी म्हारा राज
 दघोर-जिठाणी बेग बुलाय
 थारी गाता ल्यावा घूघरी जी म्हारा राज
 ढोलीकै नै बेग बुलाय

घूघरी

ताल कहरवा (मात्रा 8)

“स्थायी”

ग - ग रे	सा नि सा -	ग रे म म	प - प ध
सू ऽ ती ऽ	घ ऽ ण ऽ	सु ऽ ख ऽ	भ ऽ र ऽ
x	O	x	O
म - ग म	ग - सा नि	सा - रेग म	ग सा रे -
नी ऽ ऽ ऽ	न्द ऽ सु प	ना ऽ मेऽ ऽ	बा ऽ टी ऽ
x	O	x	O
रे ग रे -	रे - म -	ग रे ग -	- सा - नि
घू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ घ ऽ	री ऽ जी ऽ	ऽ म्हा ऽ रा
x	O	x	O
सा - - -	सा - - -		
रा ऽ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ऽ		
x	O		

“अन्तरा”

रे - म म	प - प -	प - प ध	म - म ग
गे ऽ हू च	ना ऽ की ऽ	घू ऽ ध र	डो ऽ र ऽ
x	O	x	O

वार्ज सै ल्यावा घूघरी जी म्हारा राज
 बीरो म्हारो दीठ पिछोकड जाय
 भावजडी घर में धुस गई जी म्हारा राज
 नीसर भावज बाहर आव
 थारी पाछी ल्याया घूघरी जी म्हारा राज
 लीनो भावज पल्लो ए पसार
 कोई गज को काढ्यो घूघटो जी म्हारा राज
 बीरो म्हारो दिल दरियाव
 भावजडी मन की गायठी जी म्हारा राज
 जे म्हे होता निरघनिया घर नार
 थारी किस विघ ल्याता घूघरी जी म्हारा राज
 थारो भाभी दो कौडी को नाज
 म्हारा रुपिया लाग्या डेढ सौ जी म्हारा राज
 म्हे छा भाभी सापुरसा घर नार
 थारी गावत ल्याया घूघरी जी म्हारा राज

घूघरी

ताल कहरवा (मात्रा 8)

"स्थायी"

ग - ग रे	सा नि सा -	ग रे म म	प - प ध
सू ऽ ती ऽ	ध ऽ ण ऽ	सु ऽ ख ऽ	भ ऽ र ऽ
×	०	×	०
म - ग म	ग - सा नि	मा - रेग म	ग सा रे -
नी ऽ ऽ ऽ	न्द ऽ सु प	ना ऽ मेऽ ऽ	बा ऽ टी ऽ
×	०	×	०
रे ग रे -	रे - म -	ग रे ग -	- सा - नि
धू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ घ ऽ	री ऽ जी ऽ	ऽ म्हा ऽ रा
×	०	×	०
सा - - -	सा - - -		
रा ऽ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ऽ		
×	०		

"अंतरा"

रे - म म	प - प -	प - प ध	म - म ग
गे ऽ हू च	ना ऽ की ऽ	धू ऽ घ र	ढी ऽ र ऽ
×	०	×	०

रे ग ग म	ग - सा -	सा - रेग म	ग सा रे -
धा ऽ ऽ ऽ	य ऽ व ^१ ऽ	णा ऽ का ^१ ऽ	ऊ ऽ प र
×	०	×	०
रे ग रे -	- - म -	ग रे ग -	- सा - ति
टो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ट ऽ	ला ऽ जी ऽ	ऽ म्हा ऽ रा
सा - - -	सा - - -		
रा ऽ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ऽ		
×	०		

भूरी भंस

छाया री पडछाई ओ नणद बाई
नणद भोजाया बाता लागी रे, म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
जे म्हारे जनमलो पूत नणद बाई
देस्या देस्या भूरी भंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
नौ दस मास प्यारी घण न लाग्या
होलर शबद सुणाय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
पूत हुयो पालगई पोढी
नणदल बोली आय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
ये म्हारी भावज कोल करघा हा
पारा बोल्या वचन सभाळ, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
हसती घुडला लेओ म्हारी नणदल
नही देवा भूरी भंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
हसती घुडला म्हारे घरा ही घणेरा
लेस्या लेस्या भूरी भंस, जी म्हारा पिव ऑफिस में जाय
डावा मायला गहणा ल्यो नणद बाई
नही देवा भूरी भंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
गहणा तो गाठा म्हारे घरा ही घणेरा
लेस्या लेस्या भूरी भंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
बुगचा मायला कपडा ल्यो नणद बाई
नही देवा भूरी भंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
पोळा पोमचा घरा ही घणेरा
लेस्या लेस्या भूरी भंस, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
टीब ऊपर टीबडी भवरजी
नणद बाई हस्या जाय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय

लारं लार वारा बीराजी दीडघा

म्हारी बहनड पाछी आय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
देस्या बाई घान भैस भूरडी

हसो घुमी घर जाय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
आगण खूटो केर को भवरजी

बाधू रेसम डोर, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
ढीलो सौ बाधू नणद बाई रो बीरो

कसू म्हारा बाईसा रा हाथ, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
देखो ए म्हारी पास पडोसण

भैण भाई भोटा खाय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
आधो रात पहर कै तडकै

नणद बाई गया छुटाय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
पोढ बैठघा सासूजी बोल्या

काई ल्याया म्हाने भी बताय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय
घाने सासूजी म्हारा देवो लेवो सुभै

भाई म्हारो जीव छुडाय, जी म्हारा पिव ऑफिस मे जाय

[illegible]

घ	नी	S	घ नी <u>घ नी रें</u> सा	सा	घ	घ	प	म	S	म	S
पू	-	S	त - — न	ण	द	-	वा	-	ई	-	

[illegible][illegible]

ग	म	S	घ् S घ् S	घ	घ	प	ग S म S
जी	-	-	म्हा - रा -	पि	व	-	प्पाँ - - -
x							

ध्	ध्	प	ग ऽ रेग ऽ	म	म	ऽ	म ऽ म ऽ
फि	स	-	मे - - -	जा	-	-	- - - य
x							

नोसर हार

दूरा देसा स्यू म्हारा बाईसा आया, ल्याया हालरिया रा गीत
ए भोजाई म्हारी बीरोसा रै कवर हुयो
हसत्या तो मायला सरस हसती, ओ म्हारा बाईसा रो नेग
जी नणदबाई, ओ म्हारा बाईसा रो नेग
काई करू ए थारा सरस हसती, लेस्या गळा रो नोसर हार
ए भोजाई म्हारी बीरोसा रै कवर हुयो
बुगचा मायला सरस कपडा, ओ म्हारा बाईसा रो नेग
जी नणदबाई ओ म्हारा बाईसा रो नेग
काई करू ए थारा सरस कपडा, लेस्या गळा रो नोसर हार
ए भोजाई म्हारी, बीरोसा रै कवर हुयो
गणा तो मायला सरस गहणा, ओ म्हारा बाईसा रो नेग
जी नणद बाई ओ म्हारा बाईसा रो नेग
काई करू थारा सरस गहणा, लेस्या गळा रो नोसर हार
ए भोजाई म्हारी लेस्या गळा रो नोसर हार
ओ ल्यो बाईसा म्हारा हार गळा को, फेर मत आज्यो म्हारै बार
जी बाईसा म्हारा, फेर मत आज्यो म्हारै बार
आस्या जी आस्या म्हारै बीर बडा कै, थारै पीयर को काई जाय
ए भोजाई म्हारी थारै पीयर को काई जाय

नीसर हार
ताल रूपन (मात्रा 7)

सा - रे ग	ग	रे	सा सा नि	सा सा र	रे	र	सा	नि
दू ऽ रऽ	दे	ऽ	सा स्यूऽ	म्हा ग ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
○	2		3	○	2		3	

नि सा सा	स	-	रे ग	-	रे रे ग	सा ग	रे	रे
वा ई सा	आ	ऽ	याऽ	ऽ	ल्या ऽ या	ऽ	हा	ल रि
○	2		3		○	2	3	

सा - नि	सा	-	सा	-	ग रे नि	प नि	सा	-
या ऽ रा	गी	ऽ	त	ऽ	ए ऽ भी	ऽ	जा	ई ऽ
○	2		3		○	2	3	

सा रे ग -	रे ग	ग रे	सा ग	ग - रे	सा	-	नि	सा
म्हा रीऽ ऽ	बीरो साऽ	रे	ऽ	कै ऽ व	र	ऽ	हू	यो
×	2		3	×	2		3	

कगना

हीरे जडाऊदार कगना, कगना नाहीं दू गी
छोटी ननदिया हठीली, कगने पै मचल गई
ये कगना मेरे बाबुल ने भेजा
मँके से आया मेरा कगना, कगना नाही दू गी
आगन में ठाडे ससुर समझावे
दे दो बहुरानी कगना, कगना नाही दू गी
ये कगना मेरे बाबा ने भेजा
नहर से आया मेरा कगना, कगना नाही दू गी
आगन में ठाडे जेठ समझावे
दे दो बहुरानी कगना, कगना नाहीं दू गी
ये कगना मेरे भैया ने भेजा
मँके से आया मेरा कगना, कगना नाही दू गी
आगन में ठाडे देवर समझावे
दे दो भाभी रानी कगना, कगना नाही दू गी
आगन में ठाडे सैया समझावे
दे दो मेरी रानी कगना, नया कगना मैं दू गा
मेरी ननदिया हठीली, कगना तोहे दू गी
सैया से लूगी नया कगना, ये कगना तोहे दू गी
हीरे जडाऊदार कगना, कगना तोहे दू गी

धमना ताल-दादरा (मात्रा 6)

स्थायी

पसा सा मा सामा	निसा रेरे सानि	-- रेरे मग	ग,सा निसा,निरेमा,-
हीऽ, रे ऽज डाऊ	दार तग नाऽ	ऽऽ कग नाऽ	नाऽ,ही दूऽ, ऽ ऽगी, -
×	○	×	○

पमा सा सा- सामा	निसा रेरे सानि	-- रेरे मग	रे ग,सा निसा,निरेसा,
छोऽ टी नऽ न दि	याह ठीऽ लीऽ	ऽऽ कग नाऽ	वेऽ, म चऽ, ऽ लग, ई
×	○	×	○

अंतरा

सा- ग- म	प- प- प	म ग मप	ग रे सा
मेऽ कग ना	मेऽ रेऽ वा	बु स नऽ	भे ऽ जा
×	○	×	○

पसा - सा सामा	निसा रेरे सानि	-- रेरे मग	रे ग,सानिसा,निरेसा,-
मैऽ, के ऽसे आया	मेरा कग नाऽ	ऽऽ कग नाऽ	नाऽ,ही दूऽ, ऽ ऽगी, ऽ
×	○	×	○

पालणो

घाती को बनखड नीमरघो, हसै हालरो जी
कोई मोळयो चदणिया रो मुख, कवर थारो पालणो जी
थारै रे गीगा पालण, हसे हालरो जी
कोई लाग्या है भोत बिनाए, कवर थारो पालणो जी
सोनो तो लाग्यो सोटको- हसे हालरो जी
कोई रुपो ऊजळदत, कवर थारो पालणो जी
मोती तो लाग्या बाटला, हसे हालरो जी
कोई लाल लगी लख च्यार, कवर थारो पालणो जी
उडती तो सागी चिडकली, हसे हालरो जी
कोई गढ परबत रा मोर, कवर थारो पालणो जी
सिर घर खातए नीसरी, हसे हालरो जी
कोई शहर जोधार्ण रे माय, कवर थारो पालणो जी
पूत सपूती आगळी, हसै हालरो जी
बहू गौरा दे, लियो है मुलाय, कवर थारो पालणो जी
ल्याय घलायो साळ मे, हमै हालरो जी
कोई साळ पचासा लेय कवर थारो पालणो जी
थारै रे गीगा पालणै, हसे हालरो जी
कोई चार जणी रखवाळ, कवर थारो पालणो जी
दादी रे भूवा मावसी, हसै हालरो जी
कोई श्रीर सहोदरा भेए, कवर थारो पालणो जी
दादाजी भोटा दे गया, हसै हालरो जी
थान काठलडो पहराय कवर थारो पालणो जी
दादाजी भोटा दे गया, हसै हालरो जी
थारी रुपिया स्थू मूठ भराय, कवर थारो पालणो जी

बडियाजी भोटा दे गया, हसै हालरो जी
 यानै भाभरिया पहराय, कवर थारो पालणो जी
 काकाजी भोटा दे गया, हसै हालरो जी
 म्हारै होलर रा कर रह्या चाव, कवर थारो पालणो जी
 काकीजी भोटा दे गया, हसै हालरो जी
 यानै घुघट मे घुरकाय, कवर थारो पालणो जी
 भूवाजी भोटा दे रह्या, हसै हालरो जी
 बाकै कुडता टोपी हाथ, कवर थारो पालणो जी
 नानाजी भोटा दे गया, हसै हालरो जी
 वै तो वैठ बल्लद कै सीग, कवर थारो पालणो जी
 नानाजी भोटा दे रह्या, हसै हालरो जी
 वै तो पैर कामळ को बेस, कवर थारो पालणो जी
 बाबूजी भोटा दे गया, हसै हालरो जी
 ब तो छानै सी हुलराय, कवर थारो पालणो जी
 माऊजी भोटा दे रह्या, हसै हालरो जी
 कोई पैहर पीळा रो बेस, कवर थारो पालणो जी

पालणो

चार मात्राओं की द्रुतलय

				S S प नी
				- - खा ती
				x
सा S ररे सासा	नीमा सानी प S	सानी नीप पनी पनी	ग म S म	
को - व न खड	नी- स-र्यो-	हैं- सैं- हा- -	ल रो - जी	
x	x	x	x	
S S ग म	प प प नीप	सा सा नीसानी प	प नीप पसा सानी	
- - को ई	मोळ्यो च दणि	या रो रु - ख	-क वर या- रो-	
x	x	x	x	
पनी पनी ग म	S म S S	S S प नी	सा सारें रें सा	
पा - ल एो	- जी - -	- - या रें	रे - गी गा	
x	x	x	x	
नीसा सानी नीप प	सानी नीप पनी पनी	ग म S म	S S ग म	
पा- - ल- णं	हैं- सैं- हा -	ल रो - जी	- - को ई	
x	x	x	x	

प प प नीप	पसा सानी नीसानी प	प नीप पसा सानी	पनी पनी
ला गया है भो-	त- वि ना ए	क वर था रो	पा- - ल
x	x	x	x
S म S S	S S		
- जी - -	- -		
x			

पालणो

अदन वदन को रे गीगा थारो पालणो जी, ओ राज
खाती को घडचो रे सुजान,

सूरज रो किरण्या रे गीगा थारै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलादयू रे गीगा ऊ चै डूगरा जी, ओ राज
हिरण्या करै रे किलोल

ई नखराळी रो गीगो भूलै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलादयू रे गीगा सरवर पाळ पर जी, ओ राज
सारसडा करै रे किलोल

चाद पवास्यो रे गीगा थारै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलादयू रे गीगा हरिया बाग मे जी, ओ राज
मूवटडा करै रे किलोल

किरत्या भुक आई रे गीगा थारै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलादयू रे गीगा सामी साळ मे जी, ओ राज
दादीजी भोटा देय

लोरी सुणाव रे गीगा थारै पालणै जी, ओ राज

पालणो घलादयू रे गीगा रग भर महल मे जी, ओ राज
बाबूजी भोटा देय

हू चंदरावदनी रो गीगो भूले पालणै जी, ओ राज

पालणो

सात मात्राओ की मध्यलय

प प ऽ म रे प म रे नी ऽ सा ऽ सा ऽ
 ध द - न - - ब द न - को - रे ऽ
 x

म रे ऽ म ऽ प म म प प म रे प म
 गी गा - था - रो - पा - ल लो - - -
 x

रे रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ नी ऽ रे ऽ
 जी - - - - - - - ओ - - -
 x

सा सा ऽ सा ऽ सा ऽ सा सा ऽ सा ऽ सा ऽ
 रा - - - - - - - - - ज
 x

पनी ऽ ऽ नी ऽ नी सा नी सा ऽ नी ध नी ध
 धा - - सी - की - ध ह्यो - रे - - सु
 x

पालणा

ऊँ चो घालू पालणो जळ जमना केँ तीर
भोटा देसी सायवो म्हारी लाल नणद को वीर
गीगा सोज्या म्हारा लाल
रात का सुख देवा गीगा घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा छिन एक सोज्या रे ।

पाडोसण तू पातळी, म्हारी घडी एक गीगो राख
लाडू देस्यु सापतो, तनै स जळवा री रात,
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
रात का सुख देवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

चावळ मूगा की खीचडी, घी घालू सर जीत
मैं म्हारो गीगा जीमस्या, कोई ऊँवा तरसै पीव
गीगा सोज्या म्हारा लाल
थारी रे बलिहारी गीगा, घडी एक सोज्या रे
रात का सुख देवा गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

पतळा पतळा फलका पोया, गुदळी राधू खीर
यूत जिमाऊ सायवा, म्हारी लाल नणद का वीर
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
रात का सुख देवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

महला स्यू धण उतरी सोना को ककण हाथ
चत्तर चरु ठथो ले गयो, चन्दरावळ मसळ हाथ
गीगा सोज्या म्हारा लाल,

रात का सुख देवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

इनै सूतो हालरियो, इनै सूता पीव
कठी कठी नै होऊ रे गीगा, दोन्या कानी जीव
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे
रात का सुख देवा गीगा, पल एक सोज्या रे ।

आडै लाग्यो हालरियो, हठ लाग्या पीव
दो-या नै विचाळै, म्हारो नाजुकडो सो जीव
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
रात का सुख देवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

दूध देस्या हालरियो, बाता बिलमास्या पीव
दोन्या नै राजी राखस्या, म्हारी लाल नणद को बीर
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे
रात का सुखदेवा गीगा, घडी एक सोज्या रे ।

जाऊ ली बाजार में, ल्यावूली एक चीज
देऊ ली म्हारा हालरिया नै, सोवलो नचीत
गीगा सोज्या म्हारा लाल,
रात का सुखदेवा गीगा, घडी एक सोज्या रे
थारी रे बलिहारी गीगा, छिन एक सोज्या रे ।

पालणो

ऊँचो घालू पालणो

लय चार मात्राओं की द्रुतलय

रे रेगु रेसा सारे	नोमा ऽमा नोप प	पसा सानी सारे रे	रे ऽगु रेसानीसा ऽ
ऊँ चो- घा- लू-	पा - - ल णो - -	जळ जम ना - रैती -	- - - र
x	x	x	x

मरे रे रेम म	मग रेग रेसा सासा	रे रेगु रेसा सारेनीसा	ऽमा सा ऽ
भो टा दे सी	मा-य बो- म्हारी	ला लन एद रो-बी -	- - - र
x	x	x	x

मरे रे रेम म	मग रेगु रेसा सासा	र रेगु रेसा सारेनीसा	ऽसा नोप प
भो- टा दे सी	सा- य बो- म्हारी	ला लन एद रो-बी -	- र गी - गा
x	x	x	x

पसा सानी सारे रे	र ऽगु रेसानीसा	मरे ऽरे रेम मम	मग रेगु रेसा सा
सो- जा- म्हा- राला -	- - -	सरा- त का- सुखदे- वा -	गी - गा
x	x	x	x

रेरे रेगु रेसा सारेनीसा	ऽ ऽ	मरे रे रेम मम	मग रेगु रेसा सा
घडी एक सो- जा-र -	- - -	था- री रे बलिहा- री- गी -	गा
x	x	x	x

रेरे रेगु रेसा सारेनीसा	ऽ ऽ ऽ
घडी एक सो- जा-र -	- - -

पालणा

गीगा थारो पालणो घलाद्यू सरवर पाळ रे
पाखडल्या पसार सारस थास्यू करे किलोला रे
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोने रा मादळिया,
थारै रूपै रा भाभरिया
थारै हाथ मे चकरी डोर लाडला आगण नाचै मोर ।

गीगा थारो पालणो घलाद्यू हरिया बाग रे
मीठी गावै कोयली, सुवटिया करे किलोला रे
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोने रा मादळिया, थारै रूपै रा भाभरिया
थारै हाथ मे रेशम डोर लाडला आगण नाचै मोर ।

गीगा थारो पालणो घलाद्यू रग री पोळ रे
आवतडा सा जावतडा दादाजी भोटा देसी रे
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोने रा मादळिया, थारै रूपै रा भाभरिया
थारै हाथ मे चकरी डोर लाडला आगण नाचै मोर ।

गीगा थारो पालणो घलाद्यू सामी साळ रे
लाड लडासी दादाजी, भूवाजी गीत सुणासी र
हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतासा पी रे
थारै सोने रा मादळिया, थारै रूपै रा भाभरिया
थारै हाथ मे रेशम डोर लाडला आगण नाचै मोर ।

गीगा धारो पालणो घलाद्यू रग भर महल मे
 भुनभुनिया वातूजी त्यामी, मायड वारी जासी रे
 हुल रे नान्हा हुल रे, तू दूध पतामा पी रे
 थारै सोन रा मादळिया, थार रूप रा भाकरिया
 थारै हाथ मे चकरो डोर लाडला, आगण नाच मोर ।

पालणो

गीगा थारो पालणो

लय चार मात्राओं की द्रुतलय

ग ग रे गम ग	रेसा ऽसा साप परे	रे रे रेरे रेग	सारे ऽग ग मग रेसारे
गी गा धा रो -	पा- - ल णा- ध-	ला द्यू सर वर	पा- - ल रे - - -
×	×	×	×

ग गग रे गम ग	रेसा ऽसा साप पप	परे रे रेरे ऽग	सारे रेग ग मग रेसारे
पा खड ह्या प -	सा- - र सा- रस	धा- क्यू करे - कि	लो - ला - रे - - -
×	×	×	×

गग ग रे गम ग	सासा सा ऽ ग	रे गग रे गम ग	रेसा सा ऽ गग
हुल रे ना न्हा	हुल रे - तू	दू धप ता सा -	पी - रे - धारै
×	×	×	×

रे ग रे गम ग	रेसा सा ऽ गग	रे ग रे गम ग	रेसा सा ऽ मम
सो न रा मा -	दळि या - धारै	रू पै रा भा -	भरि या - धारै
×	×	×	×

म मम मम मप	ग गरे ऽसा सारे	रेग गग रेगमग रेसा	सा ऽ ऽ सा
हा थमे चकरी -	डो रला - ड ला -	आ गण ना - चै -	मो - - र
×	×	×	×

चन्दो

म्हारो हठ लियो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

लाडू भी ले ले लाला, पडा भी ले ले
घेवर स्यू भुळावू भोळो मनडो जी
म्हारो रुस्यो, म्हारो रुस्योडो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

लट्ठू भी ले ले लाला, फिरकी भी ले ले
चकरी स्यू भुळावू भोळो मनडो जा
म्हारो हठ लियो, म्हारो हठ लियो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

मेवा भी ले ले लाला, मिश्री भी ले ले
दाखा स्यू भुळावू भोळो मनडो जी
म्हारो रुस्यो, म्हारो रुस्योडो बाळगाविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

गीत सुणाऊ लाला, लोरी सुणाऊ
चुटकी स्यू भुळाऊ भोळो मनडो जी
म्हारो हठ लियो, म्हारो हठ लियो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

याळ भरचो में तो पाणी को त्याऊ
पाणी मे दिखाऊ चन्दो जी
म्हारो हरयो, म्हारो हरयो बाळगोविंदो
खेलण नै मागै चन्दो

अन्तरा

सा	साप	प	पप	घ	प	म	पघ्	मप	ग्	सा	ऽ
ला	डू-	भी	लेले	ना	ला	पे	डा-	भी-	ले	ले	-
x						x					
सा	साप	प	पप	नी	घ	म	पघ्	मप	ग्	सा	साग
ला	डू-	भी	लेले	ला	ला	पे	डा-	भी-	ले	ले	घे-
x						x					
गग	ग	ऽग	गग	मग	पम	गुग्	रे	ऽ	ग्	रे	मग
वर	स्यु	-भु	ळावु	भो-	ळो-	मन	डो	-	जी	म्हा	रो-
x						x					
रेसा	सा	ऽ	ऽ	ऽ	साग	गग	ग	ऽग	गग	गम	घप
रू-	स्यो	-	-	-	घे-	वर	स्यू	-भु	ळावू	भो	ळो
गुग्	रे	ऽ	ग्	रे	मग	रेसा	सा	ऽ	ऽ	नी	सा
मन	डो	-	जी	म्हा	रो-	रू-	स्यो	-	-	म्हा	रो
x						x					
ग	ग	ग्	रे	गरे	गुरे	सा	रे	ऽ	ऽ	ऽ	म
रू	स्यो	डो	वा	ळ-	-गो	वि	दो	-	-	-	खे
x						x					

मम	म	ग	रे	ग	सा	सा	सा	रे	नी	ध	नी
छण	नै	-	मा	गै	-	च	न्दो	-	जी	म्हा	रो
x						x					
गुगु	गु	गु	रे	गुरे	गुरे	सा	रे	S	S	S	म
हठ	लि	यो	वा	ळ-	-गो	वि	दो	-	-	-	खे
x						x					
मम	म	ग	रे	ग	सा	सा	सा	S	S	S	S
छण	नै	-	मा	गै	-	च	न्दो	-	-	-	-

भुनभुना

पाच मोहर को भुनभुनो
पच्चीस मोहर की डाडी रे, भुनभुनो बाजणो ।
धारा दादाजी खरीदें भुनभुनो
दादीजी खिलावें नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।
आधी का बाजे भुनभुनो
परभाती सोव नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।
धारा दादाजी न प्यारो काम है
दादीजी पियारो नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।

पाच मोहर को भुनभुनो
पच्चीस मोहर की डाडी रे, भुनभुनो बाजणो ।
धारा ताऊजी खरीदें भुनभुनो
ताईजी खिलावें नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।
आधी का बाजे भुनभुनो
परभाती सोवें नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।
धारा ताऊजी न प्यारो काम है
ताईजी पियारो नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।

पाच मोहर को भुनभुनो
पच्चीस मोहर की डाडी रे, भुनभुनो बाजणो ।
धारा फूफाजी खरीदें भुनभुनो
भूवाजी खिलावें नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।
आधी का बाजे भुनभुनो
परभाती सोवें नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।
धारा फूफाजी न प्यारो काम है
भूवाजी पियारो नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।

पाच मोहर को भुनभुनो
 पच्चीस मोहर की डाडी रे, भुनभुनो बाजणो ।
 थारा बापूजी खरीदें भुनभुनो
 थारी माय खिलावें नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।
 आघी का बाजें भुनभुनो
 परभाती सोवें नन्दलाल रे, भुनभुनो बाजणो ।
 थारा बापूजी नै प्यारो काम है
 आम्मा नै पियारो नन्दलाल रे भुनभुनो बाजणो ।

— — —

इसी तरह नानाजी, नानीजी, मामाजी, मामीजी, मौसाजी, मासीजी,
 काकाजी, काकीजी, जीजाजी, जीजी का नाम लेते हैं ।

भुनभुना

पाच मोहर को भुनभुनो

लय चार मानाओ की द्रुतलय

नी प प प	नी सा रेग रेग	रेसा सा सा नी	सा ऽ नी सा
पा - च मो	ह र को - -	- भु न् भु	नो - प -
×	×	×	×
रे ऽ रे म	ग रे रेग रेग	सा रे सानी नी	नी सा रे गुरे
ची - स मो	ह र की - -	डा डी रे - भु	न् भु नो -
×	×	×	×
सानी नी सानी ध	प ऽ प प	पग ग म प	पम मप मप
ऽ बा ऽ ज	णो - था रा	दा- दा जी ख	री - द - -
×	×	×	×
ग ग मग रे	सा ऽ ग म	प ऽ प नी	ध् प प प ध्
ऽ भु न् भु	नो - दा -	दी - जी खि	ला व न द
×	×	×	×
म ऽप मग ग	ग म प ध्प	मग ग मग रे	सा ऽ ऽ ऽ
ला ल रे भु	न् भु नो -	- बा - ज	णो - - -
×	×	×	×

ललना

सावण आयो, मेह वरसायो, काई रे वावाजी बलमा
केसरिया सायब, थे हुलराओ ललना ।

लाल पडोसण गहूला वावै मै रे बाऊ ली जिवणा
अलवेला सायब, थे हुलराओ ललना ।

लाल पडोसण गहूला काटै, मै रे काटूली जिवणा
नखराळा सायब थे हुलराओ ललना ।

लाल पडोसण गहूला जोमै, मै रे जोमू ली जिवणा
केसरिया सायब थे हुलराओ ललना ।

पाडयो आयो, पतडो बाच्यो, काई रे जणूली बमणा
केसरिया सायब थे हुलराओ ललना ।

लाल पडोसण धीय जणेली, थे रै जणोला ललना
अलवेला सायब थे हुलराओ ललना ।

जे पाड्या म्हारै गीगो होवै खूब चुकास्पू दिखणा
नखराळा सायब थे हुलराओ ललना ।

लाल पडोसण बेटी जाई, मै रे जायो ललना
केसरिया सायब थे हुलराओ ललना ।

ग्रामण आयो, पतडो बाच्यो, ल्या जुजमान दिखणा
मनभरिया सायब थे हुलराओ ललना ।

ओ गीगो मनै राम दियो, भगवान दियो, करतार दियो
भरतार दियो है, तू काई भागै बमणा

केसरिया सायब थे हुलराओ ललना ।

जद म्हारो गीगो बडो हुवलो, बैळ्यो रहैलो, चलै गुडाल्या
पाव घरलो, करै पढाई, करू सगाई व्याह रचाऊ

गीगो होसी, जद र चुकाऊ दिखणा

लस्करिया सायब थे हुलराओ ललना ।

टूटी सी एक थाली ल्याओ, फूटचो सो एक लोटचो ल्याओ
 फाटचा सा दोय कपडा ल्याओ, वोदी सी एक बछिया ल्याओ
 ले रै बामण दिखणा ।

केसरिया सायब ये हुलराओ ललना ।

आग आगें जच्चा डोलै, बिकै पाछै वच्चा डोल
 बिकै लार राजन डोलै, बिकै पीछै बामण बोल
 ल्या जुजमान दिखणा ।

केसरिया सायब ये हुलराओ ललना ।

ललना

सावण आयो मेह बरसायो
लय चार मात्राओ की द्रुतलय

सा मानी सा रेगु	रेगु रेगु रेगु रे	सासा मानी सा रेगु	रेगु रेगु रेगु रे
सा वण आ यो	- - - -	मेह बर सा यो	- - - -
x		x	

S रेप पम मरे	रेमा सा सा मरे	रे S S रेम	मरे रेसा सा नीनी
- काई रे- बा-	वा- जो ब ल-	मा - - के	सरि या- सा यब
x		x	

S पनी नी सा	रे मरे नी नी	सा S S रेम	मरे रे सा नीनी
- थे- हु ल	रा ओ- ल ल	ना - - के-	सरि या सा यब
x		x	

S पनी नी सा	रे मरे नी नी	सा S सा S	S S S S
- थे हु ल	रा ओ- ल ल	ना - - -	- - - -
x		x	

सा सानी सा रेगु	रेगु रेगु रेगु रे	सासा सानी सा रेगु	रेगु रेगु रेगु रे
ला लप डो सन्	- - - -	गँहू ला बा वं	- - - -
x		x	

५ रेप पम मरे	रेसा सा सा मरे	रे ५ ५ रेम	मरे रेसा सा नीनी
- मैं- रे- बा-	ऊ- जी जिव-	णा - - के-	सरि या- सा यब
×		×	

५ पनी नी सा	रे मरे नी नी	सा ५ ५ रेम	मरे रेसा सा नीनी
- थे- हु ल	रा ओ ल ल	ना - - के-	सरि या मा यब
×		×	

५ पनी नी मा	रे मरे नी नी	सा ५ ५ ५	५ ५ ५ ५
- थे हु ल	रा ओ ल ल	ना - - -	- - -
×		×	

मा मानी सा रेरे	सा सानी सा रेरे	सा सानी सा सारे	सा सानी सा रेरे
ओ गी- गो मनै	रा मदि यो भग	वा नदि यो कर	ता रदि यो भर
×		×	

सा सानी सा रे	५ रेप पम म	रे रे सा मरे	रे ५ ५ रेम
ता रदि यो है	- लू- बा- ई	मा गे ब म-	ना - - के
×		×	

मरे रेसा सा नीनी	५ पनी नी सा	रे मरे नी नी	सा ५ सा ५	५ ५ ५ ५
सरि या सा यब	- थे हु ल	रा ओ ल ल	ना - - -	- - - -
	×			

काठला

तनै रे गुणसायर गीगा काठला रो चाव,
काठला घडावै थारा दादाजी उमराव ।
दादाजी घडावै दादी पाट पुवाय,
काठला मे हीरा मोती एक् हजार ।
एवड छेवड मोती मूगा, बिच बिच लाल,
काठला रै चाव गीगो, गोदी मे चढ जाय ।
तनै रे सायजादा गीगा भुनभुनिया रो चाव,
भुनभुनियो ले आसी थारा बाबाजी सिरदार ।
बाबाजी खिलावै, बडिया गोद उठाय,
भुनभुनिया रै भणकै, गीगो रीतो रह जाय ।
तनै रै मिठबोला गीगा पालणा रो चाव,
पालणो घडासी थारा बाबूजी उमराव ।
बाबूजी ले आसी मायड भोटा देसी आय,
पालणै मे भूलै गीगो नीदडल्या मे जाय ।
तनै रे चम्दा सा गीगा कडला रो चाव,
कडला ले आसी थारा नानाजी उमराव ।
नानाजी घडासी, नानी रतन जडाय,
सोनै रे कडलै, गीगो खेलवा नै जाय ।
तनै रे मनभरिया गीगा कुरता रो चाव,
कुरतो सिमावै थारा भूवाजी उमराव ।
भूवासी ले आमी, फूफाजी निरखण आय,
कुरता रै चाव गीगो ठुमक ठुमक आय ।

काठला

तन रे गुण सायर गीगा
चार मात्राओं की द्रुतलय

ग ग रेग रेमा	सा सारे रे ध	सा ऽरे सारे ग	ग ऽ मगरेसा रे
त न रे- गुण	सा यर गा गा	का ठ ला रो	चा - - व
×	×	×	×
ग ऽग रेग रेसा	सा सा ग ग	सारे रे ग मग रेमा	सा ऽ ऽ सा
का ठ लो- ध-	डा बे था रा	दा दा जी- उम	रा - - व
×	×	×	×

मादळ

जाओ राजन डूगरा, हरियाळा बास कटाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।

त्याय घडाओ ढोलियो, गोरी नै पूरा मास जी
मादळ रणक्यो जाय ।

त्याय घडाओ पालणो, होलर राजा जायो जी
मादळ रणक्यो जाय ।

थे तो जीमो सीरो, म्हानै भी चखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।

गैला राजन बावळा, सीरो तो जच्चा जोगो जी
मादळ रणक्यो जाय ।

थे तो जीमो अजमो, म्हानै भी चखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।

गैला राजन बावळा, बाईजी फिर फिर जावै जी
मादळ रणक्यो जाय ।

थे तो जीमो लाडू, भोरो तो चखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।

गैला राजन बावळा, सासूजी गिरा गिरा घाल्या जी
मादळ रणक्यो जाय ।

थे तो पूजो जळवा, हवोळो तो दिखाओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।

गैला राजन बावळा, हवोळो गणगोरया जी
मादळ रणक्यो जाय ।

थे तो जायो गीगलो म्हानै भी दिताओ जी
मादळ रणक्यो जाय ।

ગૈલા રાજન બાવલા, મ્હે દોરી પીડા જાયો જી
માદલ રણવયો જાય ।

યે તો વઠી મહલા, મુખડો તો દિશાઓ જી
માદલ રણવયો જાય ।

ગૈલા રાજન બાવલા, મોહરા સ્યૂ મૂઠ ભરાઓ જી
માદલ રણવયો જાય ।

પીલો ત્યાજ્યો કેસરયા, મ્હાર ગહરો ઘડી એ તુલાજ્યો જી
માદલ રણવયો જાય ।

માતો ત્યાજ્યા મોકલા, આજ્યો સ જલવા રી રાત જી
માદલ રણવયો જાય ।

भादळ

जावो राजन डूगरा
सात भात्राओ की मध्यलय मे

घ	घ	सा	सा ऽ सा सा	सा रे ऽ	ग ऽ म म
जा	वो	-	रा - ज न	डु ग -	रा - ह रि
×				×	
ग	रे	ग	सा ऽ सा सा	सा रे ऽ	ग ऽ म ऽ
या	ळा	-	बा - स क	टा ओ -	जी - मा -
×				×	
ग	सारे	ऽ	ग रेग सा ऽ	सा सा ऽ	सा ऽ सारे गरे
द	ळ	-	र ए- क्यो -	जा - -	- - - य
×				×	

बघाई

बघाई मेरे नादा भैया घर घाई
 रुपया मांगे नादी मुन्ना की बघाई
 दे गो रुपया मेरे ममुरजी बमाय
 छट्ठरी मे से ननदी मुन्ना की बघाई
 बघाई मेरे नादी भैया घर घाई
 दे गो छट्ठरी मेरे गाना बमाय
 नवनी मे से नादी मुन्ना की बघाई
 रुपया मांगे नादी मुन्ना की बघाई
 ये तो नवनी देवर घर साये
 दुसरी से ले नादी मुन्ना की बघाई
 ये तो दुसरी भैया राखी का साये
 दुसरी से ले ननदी मुन्ना की बघाई
 एक दूरी के मैं भगुले टोपी लाऊ
 दो पैसों से ले ननदी मुन्ना की बघाई
 दन पैसों का ननदी भुनभुना लाऊ
 भुनभुना लाके मेरे मुन्ने को बहलाऊ
 मिठाई खाले ननदी मुन्ना की बघाई
 रुपया मांग ननदी मुन्ना की बघाई
 ये तो मिठाई पडोस मे बटवाऊ
 तू क्या क्या लाई ननदी मुन्ना की बघाई
 गहने मैं लाई भाभी मोहरों मैं लाई
 टोपी कुरता मैं लाई, मुन्ने के लिए आई

मैं तो मेरी ननदी का यूँ ही मन नेती थी
 रुपैया तो पै वारू मुझे की बधाई
 पीला तू ले ले ननदी, गहना तू ले ले
 अक्षरफि ले ले ननदी, मुन्ना की बधाई
 बधाई लेने ननदी, भैया घर आई
 रुपया मागे ननदी, मुन्ना की बधाई

बधाई

बधाई लेने ननदी भैया घर आई
रुपैया मागे ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो रुपया मेरे ससुरजी कमाये
अठन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई
बधाई लेने ननदी भैया घर आई

ये तो अठन्नी मेरे राजन कमाये
चवन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई
रुपैया मागे ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो चवन्नी देवर घर लाये
दुअन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो दुअन्नी भैया राखी का लाये
इकन्नी ले ले ननदी मुन्ना की बधाई

एक इकन्नी के मैं भगुले टोपी लाऊ
दो पैसै ले ले ननदी मुन्ना की बधाई

इन पैसों का ननदी भुनभुना लाऊ
भुनभुना लाके मेरे मुन्ने को बहलाऊ
मिठाई खाले ननदी मुन्ना की बधाई
रुपैया मागे ननदी मुन्ना की बधाई

ये तो मिठाई पढोस मे बटवाऊ
तू क्या क्या लाई ननदी मुन्ना की बधाई
गहने मैं लाई भाभी मोहरे मैं लाई
टोपी कुरता मैं लाई, मुन्ने के लिए आई

मैं तो मेरी ननदी का यू ही मन लेती थी
 रुपैया तो पै वारु मुन्ने की बघाई

पोला तू ले ले ननदी, गहना तू ले ले
 अशर्फी ले ले ननदी, मुन्ना की बघाई
 बघाई लेने ननदी, भैया घर आई
 रुपैया मागे ननदी, मुन्ना की बघाई

बघाई

बघाई लेने ननदी

लय चार मात्राओं की द्रुतलय

स्थायी

५	५	५	मा		सा	रे	सा	नी		घनी	नीघ	नीरे	५		सा	सा	रे	ग
-	-	-	घ		घा	ई	ले	ने		न-	न-	दी-			भ	या	घ	र
×					×					×					×			

रेसा	५	सा	सा		सा	रे	सा	नी		घनी	नीघ	नीरे	५		सा	सा	रे	ग
आ-	-	इ	रु		पै	या	मा	गे		न-	न-	दी-			मु	झा	की	व
×					×					×					×			

रेस	५	सा	५															
घा-	-	इ	-															
×																		

अंतरा

५	सा	अ	अमे		प	प	प	प		५	मेमे	अ	अ		म	५	ग	५
-	ये	-तो	-रु		पै	या	म	रे		-	ससु	रजी	-ब		मा	-	ये	-
×					×					×					×			

५ सा ५ग ५मे	प पमे ध प	५ मेमे ५प ५ध	म ५ ग सा
- ये -तो -रु	पं या- मे रे	- ससु रजी -क	मा - ये अ
×	×	×	×

सा रे सा नी	घनी नीघ नीरे ५	सा सा रे ग	रेसा ५ सा ५
ठ श्री ले ले	न - न - दी -	मु छा की ब	धा- - ई ब
×	×	×	×

सा रे सा नी	घनी नीघ नीरे ५	सा सा रे ग	रेसा ५ सा ५
धा ई ले ने	न - न - दी -	भं या ध र	आ - ई -
×	×	×	×

नरणाद बाई

गाडी को खुडको जो नरणाद बाई म्हे सुण्यो
म्हारी बाई जी दुखण लागी आख
नही तो म्हारा बाईजी नै घर मे आता देखती ।

खाती को बेटो जो नरणाद बाई घर नही
खातिण कै चढ गई ताप
नही तो म्हारा बाईजी नै पीढो दे बैठावती ।

हलवाई को बेटो जो नरणाद बाई घर नही
मिसराणी चली गई पीर
नही तो म्हारा बाईजी नै घेवर जिमावती ।

रगरेजा को बेटो जो नरणाद बाई घर नही
रगरेजण जायो है पूत
नही तो म्हारा बाईजी न चूनडी ओढावती ।

रोकडिया को बेटो जो नरणाद बाई घर नही
चाबी बो तो ले गयो साथ
नही तो म्हारा बाईजी न रुपिया दे पगा लागती ।

धारा तो गीरा जो नरणाद बाई घर नही
भतीजा गया है स्कूल
नही तो म्हारा बाईजी नै मोटर दे पहुचावती ।

देर तो हो जासी जी बाईजी यारै घर जाओ
पीठ बाईजी चढ जासी घूप
ठड ठड जाओजी बाईजी म्हारा सासर ।

नएदबाई

गाडीको खुडको जी नएदबाई

सय चार माथाओ की द्रुतलय

धसा धसा सा सा सारे ग गमग रेसा सारे रे गम गम गमगरे सा साग रे

गा- — डी को खुड को जी- - न - ए - द वा- इ- म्हे - - - सू -
x x x x

रे S रे S धसा सा सासा रे सारे गग गमग रेसा सा S S ध

ण्यो - - - म्हा- री बाई जी दू - खण ला- गी- आ - - ख
x x x x

धमा सा सा रे सारे ग गमग रेसा सारे रे गम गम गमगरे सा रे S

नहि तो म्हा रा वा- इ जी - नै - घर मे आ- ता दे- — ख -
x x x x

रे S रे S धसा सा सासा रे सारे गग गमग रेसा सा S S सा

ती - - - म्हा- री बाई जी दू - खण ला- गी आ - - ख
x x x x

जच्चा का सीठना

रोळी ल्यो जी रोळो ल्यो, रोळी ले रे जच्चा नै दथो
जच्चा कै माथ सोवै रोळी, पूत जण्या घण होयगी वोळी
गोरी म्हारी बस बघावणी ।

मेहदी ल्यो जी मेहदी ल्यो, मेहदी ले रे जच्चा नै दथो
जच्चा कै हाथ मे सोवै मेहदी, पूत जण्या ण होयगी महगी
गोरी म्हारी बस बघावणी ।

कजळो ल्यो जी कजळो ल्यो, कजळो ले रे जच्चा नै दथो
जच्चा की आख मे सोहे कजळो, पूत जण्या घण बढयो नखरो
गोरी म्हारी बस बघावणी ।

छाजा ऊपर वोले काग, जच्चा जाण म्हारो आयो बाप
फिर गिर देट्यो गोही काग, गोरी म्हारी बस बघावणी ।

चूल्हा पाछै फिरै बिलाई, जच्चा जाण म्हारी भायड आई
फिर गिर देख वाही बिलाई, गोरी म्हारी बस बघावणी ।

चाकी पाछै फिरै ऊदरी, जच्चा जाण म्हारी बहन सुदरी
फिर गिर देख वाही ऊदरी गोरी म्हारी बस बघावणी ।

जच्चा का सीठना

रोळी ल्यो जी रोळी ल्यो
चार मात्राओंकी द्रुतलयमे

सारे रेसा सा सा	रेम मरे रे ऽ	रेम रेसा सा सारे	रेम रे नी सा ऽ
रो-ळी- ल्यो जी	रो-ळी- ल्यो -	रो ळी ले रजच्चा -	ने धो -
×	×	×	×

मारे रेसा सा सा	रेम मरे रे ऽ	रेम रेसा सा सारे	रेम र नी सा सा
रो-ळी- ल्यो जी	रो-ळी- ल्यो -	रो-ळी- ले रजच्चा -	ने धो ज
×	×	×	×

रे रे रेसा सा	रेम मरे रे रे	रे रेसा नी सासा	रेम मरे रे रे
च्चा रे मा - थे	सो-बै-रोळी	पू तज ण्या घण	होय गी- बोळी
×	×	×	×

रेरे रेसा नी सारे	रेमरेसा नीसा ऽ सा ऽ
गोरी म्हारी व सब	घा - - - व - णी -
×	×

नणद बाई

कठै स्यू आया म्हारा लाल नणदोई, कठै स्यू आया बाईसा
आज म्हारै बाईसा भलाई घर आया ।

बम्बई स्यू आया म्हारा लाल नणदोई, सागै तो आया बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

कठै उतारु म्हारा लाल नणदोई, कठ उतारु बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

बागा उतारु म्हारा लाल नणदोई, महला उतारु बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

काई जिमाऊ म्हारा लाल नणदोई, काई जिमाऊ बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

जिनवा जिमाऊ म्हारा लाल नणदोई, घेवर छटाऊ बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

काई तो त्याया म्हारा लाल नणदोई, काई तो त्याया बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

कडा ए कडूल्या त्याया लाल नणदोई, भगला तो टोपी बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

काई तो देऊ म्हारा लाल नणदोई, काई तो देऊ बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

घुडला तो मार्ग म्हारा लाल नणदोई, हार गळा को बाईसा
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

च्यार टका का बाईजी कडा कडूल्या त्याया, हलर भलर करता आया
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

एक घिसत का बाईजी भगला टोपी त्याया, घर लूटण न आया
आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

बायर लड़े छै म्हारा लाल नणदोई, भीतर लड़े छै बाईसा

आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

घर मे घुस जाओ म्हारा सुगणा सायब, भाडा रा टोळा चल्या आया

आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

घुडला दिरास्या म्हारा लाल नणदोई, हार गळा को बाईसा

आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

पाच्यू तो कपडा म्हारा लाल नणदोई, चूनड को वेस बाईसा

आज म्हारा बाईसा भलाई घर आया ।

नणदबाई

कठे स्यू आया म्हा रा

चार मात्राओ की द्रुतलय

प प धप म	प नी छ प	म ऽम म म	म प प ग
क ठे — स्यू	आ या म्हा रा	ला - ल न ण	दो - इ -
×	×	×	×
रे रे रसा नी सा	सा सा रेम ऽ	म ऽ म ऽ	सा ऽसा मरे रे
क ठे - — स्यू	आ या वा -	इ - सा ऽ	आ -ज म्हा रा
×	×	×	×
रेप प प पम	रेम मपम रेसा सा	सा ऽ सा ऽ	
वा-इ सा भ-	ला-इ - ध - र	आ - या -	
×	×	×	

काथो

मेडता स्यू काथो आयो, आयो रग लगाय
वाकडली मू छया रा नान्हा रा दादाजी जावा छा घरा ।

जामो जामो काई करो ए, बँठो न जाजम ढाळ
दात्या रै चुडलै री लुगाया, थे जीमो चावळ दाळ ।

आया हा हालरिया रै कोडा, चाल्या गीत गवाय
भीणै से घुघट मे लुगाया, ज्यू जीमै ज्यू जाय ।

जामो जामो काई करो ए, थोडी सी सुस्ताय
आ बादघो नाहा रा बाबाजी थानै रथडो कर पहुचाय ।

रथडा तो म्हारै घर ही घणेरा, बैल गया गुजरात
मीठी सी बोली री लुगाया, हस हस कर बतळाय ।

कायो

मेडता स्यू कायो आयो
सय छे मात्राओ की मध्यलय

सा	S	रेग	गुरे	सा	नी	सा	सा	S	रेग	रे	ग
मे	-	ड	ता -	स्यू -	का	थो -	धा-	यो -			
x					x						
म	ग	रे	सा	सा	ग	रे	S	S	S	S	रे
आ	यो	-	र	ग	ल	गा	-	-	-	-	य
x					x						
रेग	ग	रे	सा	नी	नी	सा	सा	सा	रेग	रेरे	गरे
दा-	क	ड	ली	मू	-	ध्या	रा	ना	न्हारा	दादा	जी
x					x						
म	ग	रे	सा	नी	नी	सा	सा	सा	सा	सा	सा
जा	वा	-	छा	घ	-	रा	-	-	-	-	-
+					x						

साध का गीत

आली सब मिल गाओ आज, मगल बेला आई

गोरी के हाथो मे मेहदी लगायेंरी

कजरा लगा माथे विदिया सजामेरी

गोरी लाज का घुघट डाल, मगल बेला आई ।

गोरी सभल सभल पग राख, मगल बेला आई ।

घर देहरी मोरी जगमग आली

आगन मे छाई दीवाली

गोरी आचल तोरा सभाल, मगल बेला आई ।

आली सब मिल गाओ आज, मगल बेला आई ।

गोद तुम्हारी चदा मुस्कायेगा

परियो की डोली मे बैठ के आएगा

खिल जाएगी बगिया तुम्हार, मगल बेला आई ।

आली सब मिल गाओ आज, मगल बेला आई ।

दादाजी दादीजी मोहरें लुटायग

बाबूजी तोरे फूले न समायग

जब बाजन लागेगो थाल, मगल बेला आई ।

आती सब मिल गाओ आज, मगल बेला आई ।

साध का गीत

आली सब मिल गावो
छे मात्राओ की मध्यलय

५ ५ ५ ५ नी सा	गुगु ग ग रेगु रे सा	रे ५ ५ ५ ५ र
- - - - आ ली	सब मिल गा-वो -	आ - - ज
×	×	×
मम म ग रे ग सा	सा सा रेनी घ नी	गुगु गुगु रेगु रे सा
म ग ल वे ला -	आ ई - - - आ ली	सब मिल गा-वो -
×	×	×
रे ५ ५ ५ ५ रे	मम म ग रे ग सा	सा सा ५ ५ ५ ५
आ - - - - ज	म- ग ल वे ला -	आ ई - - - -
×	×	×
रेरे म म प प प	मरे रे सानी रे सा ५	रेरे म म पघनी घ प
गो- रे से हा थो मे	मेह दी ल-गा ए रो	कज रा ल गा-मा थे
×	×	×
मरे रे सानी रे सा सा	५ ५ ५ ५ नी सा	गुगु गुगु रेगु रे सा
त्रिदिया स-जा ए रो	- - - - गो रो	ला जका घू प ट
×	×	×

रे ऽ ऽ ऽ ऽ रे	मम म ग रे ग सा	सा सा रे नी ध नी
डा - - - - त	म- ग ल वे ला -	आ ई - - गो री
×	×	×
गुगु ग् ग् रेरे ग् सा	रे ऽ ऽ ऽ ऽ रे	मम म ग रे ग सा
सभ ल स भल प ग	रा - - - - ख	म- ग ल वे ला -
×	×	×
सा सा रे नी ध नी	गुगु ग् ग् रेगु रे सा	रे ऽ ऽ ऽ ऽ रे
आ ई - - आ ली	सब मि ल गा- वो -	आ - - - ज
×	×	×
मम म ग रे ग सा	सा सा ऽ ऽ ऽ ऽ	
म- ग ल वे ला -	आ ई - - - -	
×	×	

साध का गीत

आज भूमन लागे मोरी आशा के फुलवा
सूरज किरण मुस्कुराई आगनवा
आज भूमन लागे मोरी आशा के फुलवा

हिरणी सा मन मोरा भरता किलोले
ठंडी पवन भूले मस्त हिंडोले
मन मे मोरे आनन्द छाया

फूलो का आज श्रृ गार कराओ
गोरी की गोदी आज भराओ
आज सुहाना प्रवसर आया

सब उपवन सब भूमन लागे
जीवन की मगिया मे फल अब लागे
एत पान बिरया डोलन लागे

दोरे की गोदी मे चढ़ा मुस्कायेगा
तारो की गगरी से मेरे घर आयगा
भर आगन मोरा नाच

साध का गीत

आज भूमन लागे मोरी
छे मानाओ की द्रुतलय

ऽ ऽ ऽ म ऽ प	सा ऽ ऽ नी ऽ प	रे ऽ रे म ऽ म
- - - आ - ज	भू - - म - त	ला - गे मो - री
×	×	×
प ऽ ऽ नी ऽ म	प प प म ऽ प	सा ऽ ऽ नी ऽ प
आ - - शा - के	फु ल वा आ - ज	भू - - म - त
×	×	×
रे ऽ रे म ऽ म	प ऽ ऽ नी ऽ म	प प प ऽ ऽ ऽ
ला - गे मो - री	आ - - शा - के	फु ल वा - - -
×		
म प ऽ नी नी सा	रें रें ऽ सा ऽ सा	नी नी ऽ सा ऽ सा
सू - - र ज कि	र ण - मु - स्कु	रा - - ई - अ
×	×	×
प नी ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी नी सा	रें रें ऽ सा ऽ सा
ग न - वा - -	सू - - र ज कि	र ण - मु - स्कु
×	×	×

साध का गीत

आज भूमन लागे मोरी आशा के फुलवा
सूरज किरण मुस्कराई आगनवा
आज भूमन लाग मोरी आशा के फुलवा

हिरणी सा मन मोरा भरता किलोले
ठंडी पवन भूले मस्त हिंडोले
मन मे मोरे आनन्द छाया

फूलो का आज श्रु गार कराओ
गोरी की गोदी आज भराओ
आज सुहाता अवसर आया

बन उपवन सब भूमन लागे
जीवन की बगिया मे फल अब लागे
पात पात बिरवा डोलन लागा

गोरी की गोदी मे चदा मुस्कायेगा
तारो की नगरी से मेरे घर आयेगा
घर आगत मोरा नाचन लागा

साध का गीत

आज भूमन लागे मोरी
छे मानाओ की द्रुतलय

५ ५ ५ म ५ प	सा ५ ५ नी ५ प	रे ५ रे म ५ म
- - - आ - ज	भू - - म - न	ला - गे मो - री
×	×	×
प ५ ५ नी ५ म	प प प म ५ प	सा ५ ५ नी ५ प
आ - - शा - के	फु ल वा आ - ज	भू - - म - न
×	×	×
रे ५ रे म ५ म	प ५ ५ नी ५ म	प प प ५ ५ ५
ला - गे मो - री	आ - - शा - के	फु ल वा - - -
×		
म प ५ नी नी मा	रें रे ५ सा ५ सा	नी नी ५ मा ५ सा
सू - - र ज कि	र ए - मु - स्कु	रा - - ई - अ
×	×	×
प नी ५ प ५ ५	म प ५ नी नी सा	रें रें ५ सा ५ सा
ग न - वा - -	सू - - र ज कि	र ए - मु स्कु
×	×	×

पहला अन्तरा

गू गू ऽ गू ऽ म	रे रे ऽ सा ऽ सा	रे रे ऽ म ऽ म
हि र - नी - सा	म न - मो रा	भ र - ता - कि
×	×	×

प ऽ ऽ पम नीप ऽ	गू गू ऽ गू ऽ म	रे रे ऽ सा ऽ सा
लो- - ले - -	हि र - नी - सा	म न - मो - रा
×		

रे रे ऽ म ऽ म	प प ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा
भ र ता - कि	लो- - ले -	ठ - - डी - प
×	×	×

रे रे ऽ सा ऽ सा	नी नी ऽ सा ऽ सा	पनी सान्नी ऽ प ऽ ऽ
व न - भू - ले	म - - स्त - हि	डो- - - ले - -
×	×	×

म प ऽ नी ऽ सा	रें म ऽ रें ऽ सा	नी ऽ ऽ सा ऽ म
म न - मे - -	मो - - रे - -	आ - - न - न्द
×	×	×
पनी सानी ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	रें म ऽ रें ऽ सा
छा - - या - -	म न - मे - -	मो - - रे - -
×	×	×
नी ऽ ऽ सा ऽ सा	प नी प म ऽ प	
आ - - न न्द	छा - या आ - ज	
×	×	

(सूचना तीसरा अन्तरा इसीके समान गाईये)

दूसरा अन्तरा

म प ऽ नी ऽ नी	सा सा ऽ सा ऽ सा	नी सा रें रे ऽ सा
फू - - लो - का	आ - - ज - सि	गा - - र - क
×	×	×
नी सा ऽ नी प ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	ग म ऽ रें ऽ सा
रा - - वो - -	गो - - री - की	गो - - दी - -
×	×	×

म प ऽ नी ऽ सा	रें म ऽ रें ऽ सा	नी ऽ ऽ सा ऽ म
म न मे - -	मो - - रे - -	आ - - न - न्द
x	x	x

पनी <u>सान्नी</u> ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	रें म ऽ रें ऽ सा
छा - - या - -	म न ' मे - -	मो - - रे - -
x	x	x

नी ऽ ऽ सा ऽ सा	प नी प म ऽ प
आ - - न न्द	छा - - या आ - ज
x	x

(सूचना तीसरा अन्तरा इसीके समान गाइये)

दूसरा अन्तरा

म प ऽ नी ऽ नी	सा सा ऽ सा ऽ सा	नी सा रें रे ऽ सा
फू - - ला - का	आ - - ज - सि	गा - - र - क
x	x	x
नी सा ऽ नी प ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	ग, म ऽ रे ऽ सा
रा - - वो - -	गो - - री - की	गो - - दी - -
x	x	x

पहला अंतरा

गू ग ऽ गू ऽ म	रे रे ऽ सा ऽ सा	रे रे ऽ म ऽ म
हि र - नी - सा	म न - मो - रा	भ र - ता - कि
॥	×	×

प ऽ ऽ पम नीप ऽ	गू गू ऽ गू ऽ म	रे रे ऽ सा ऽ सा
ला- - ले — -	हि र - नी - सा	म न - मो - रा
×		

रे रे ऽ म ऽ म	प प ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा
भ र - ता - कि	लो- - ले -	ठ - - डी - प
×	×	×

रें रें ऽ सा ऽ सा	नी नी ऽ सा ऽ सा	पनी सानी ऽ प ऽ ऽ
व न - भू - ले	म — - स्त - हि	डो- — ले - -
×	×	×

म प ऽ नी ऽ सा	रे म ऽ रे ऽ सा	नी ऽ ऽ सा ऽ म
म न - मे - -	मो - - रे - -	आ - - न - न्द
×	×	×

पनी सानी ऽ प ऽ ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	रे म ऽ रें ऽ सा
छा - - या - -	म न - मे - -	मो - - रे - -
×	×	×

नी ऽ ऽ सा ऽ सा	प नी प म ऽ प
आ - - न न्द	छा - या आ - ज
×	×

(सूचना तीसरा अन्तरा इसीके समान गाइये)

दूसरा अन्तरा

म प ऽ नी ऽ नी	सा सा ऽ सा ऽ सा	नी सा रें रें ऽ सा
फू - - लो - का	आ - - ज - सि	गा - - र - क
×	×	×

नी सा ऽ नी प ऽ	म प ऽ नी ऽ सा	ग म ऽ रें ऽ सा
रा - - वो - -	गो - - री - की	गो - - दी - -
×	×	×

नी नी ऽ सा ऽ सा	<u>पनी</u> <u>सानुी</u> ऽ प ऽ ऽ	म म ऽ नी ऽ सा
आ — - ज - भ	रा — - वो - -	आ — - ज - झ
×	×	
रें म ऽ रें ऽ सा	नी नी ऽ सा ऽ सा	प नी प म ऽ प
नो - - दा - —	भ व - स - र	आ — या आ - ज
×	×	×

(सूचना चौथा अन्तरा इसीके समान गाईये)

शब्दार्थ

अ

अगड—अनपडा, असम्बद्ध

आधाचूषी—अधियारा

आह—हठ, जिद

आद—नाजुक

आलभोल—दोहद बाल की इच्छाएँ ।

विचित्र वस्तुओं के लिए मन का
लाभित होना ।

ओरयो—उडेलना

आदर—उदर

आबरह—कोठड़ी

ओलग—वही भी जान के लिए आने
वाला युलावा

इ

इगणो—तीसरा

उ

उजाटा—भपट्टा

उपया—उत्पन्न होना

उपराह—छत से

उबरती—बच हुए का

ऊजलदत—ऊज्ज्वल, सफेद, उजले
दांत की तरह

ऊवरया—वचा हुआ

ऊमटी—ऊमडना, बदली का घिरना

क

कचोले—कटोरा

कमधनिया—कामदेव के समान, पति

कागसे—कपे से

कुम्हट—कुम्हार

किरण्यो—दुपट्टा

ग

गाहकी—ग्राहक

गुगलिया—गाढ़े रंग की घनी हुई
चित्रकारी

गुहाल्यां—घुटने के बल चलना

गुणसामर—गुणों से युक्त

गुदली—गाड़ी

गुमानण—गर्वीली

घ

घूधरी—गेहूँ या चना उबला हुआ

च

चदरावळी—प्रिय पत्नी

चरिताळी—चरित्र करन वाली

चिटिया—छड़ी

चितायल्मो—याद करलो

चीर—भोडना

चुरळ—गहरा

चोरा का—सामने का

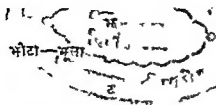
चोलियो—छबड़ी

छ

छमक—छोक कर

ज

जिवण—बावल



टाटसा—कपूरा

इ

इकाता—घोड़ा कुदात हुए

इ

दांतणफाड—दांत साफ करने की

प्रक्रिया

दीपे—देदीप्यमान, चमकना

दुबडयो—हाथो से पकड़ा जान वाला

दा बड़ा का पात्र, बड़ाई

देवल—मन्दिर

दारो—इष्ट

ध

धडी—पाँच किलो का तोल

धार्ई—मरपाई

धियाडी माता—चमावा

धीनह—बालक

न

नखचोल्या—नख स छीला हुआ

नचीत—निश्चित

ननसाळा—नमिहाल

हानडियो—छोटा बालक

निरवाणसी—पूरी करना

प

पडद्याया—छाया

पछोडता—फटकते हुए, गिराते हुए

पजाप—पूरी करना

पतोडा—पघाग

पनगी—हल्का रंग

परमानी—प्रभात में, सवेरे

पवास्या—प्रकाशित होना, चमकना

पवासा—प्रकाश, चमक

पागड्यां—पल

पाळ—बिनारा, तीर

पियादा—पैदल चलने वाला

क

कळमा—प्रवेश करने का मुह्य द्वार

कडवी—रजाई का ऊपरी त्थोल

कावा—एक बार में खाना

कावा—पैर का पजा

ब

बकमाभा—बम्शीश में, इनाम में

बलापयो—बरण किया

बगड—बलम्बड, धनपड

बडपातण—बड़े घराने की

बटली—बडी, बटो हुई

बडिभाजी—बडी माँ

बाटसा—बहुत सा

बालळो—कान का आभूषण, बालिया

बासक—बासुकी नाग

बिनाण—सक्षण, विचार, विवेचन

बिलस्या—बिलखते हुए

बिलमावणो—सच करने वाला

बुगचो—पेटो

बोळी—बहरी

म

मनेजण—मिजाजो वाली

मनीठ—एक वनस्पति जिसके डठलो

से ताल रंग बनाया जाता है ।

मधवा—नशे की गर्मी

मनमरिया—मन को माने वाला

माऊजी—माँ

माण्ड—मदग, पखावज, ढोल

माछपा—काटना

र

रणव्या—भणकार, बाद्य की ध्वनि

रतनागर—रत्ना की खान

रुखी—इच्छा

राड—तड़ाई

स

सत्करिया—सना या लपकर म काम

करन वाला

सुहाडा—छोटा

स

सजोता—सुसज्जित किया हुआ

सापता—पूरा

सापुग्मां—मम्पत्र पुरान

सायजादा—शहजादा

सुग्म्यानण—गुग्गुलु म मम्पत्र

सुला-रणा—सुवम्पणा वाला

सीर—हिस्सा

ह

हबोळा—हिलार, तरंग

हबोळा—उमग, नजारा, चमक

हुतामां—गपमप

हालमलती—भूमत हुए

हालर—बच्चा

हुलरावा—गोद म खिलाना

